साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 09 मार्च से 15 मार्च 2026
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 02 में...

महतारी वंदन योजना से मिला आर्थिक संबल

पेज 04 में...

महिला दिवस पर सुरक्षा के लिए पिंक पेट्रोलिंग टीम शुरू

वर्ष : 02 अंक : 01 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 06 नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी : मोदी

तीसरी बार भारत के शेर टी-20 वर्ल्ड चैंपियन

पहली बार मेजबान टीम ने खिताब जीता, फाइनल में रिकॉर्ड 255 रन बनाए

न्यूजीलैंड की 96 रन से सबसे बड़ी हार	छत्तीसगढ़ में जमकर आतिशबाजी	ढोल पर नाची महिलाएं	फैंस ने लहराया तिरंगा

शहरसत्ता/न्यूज डेस्क रायपुर

भारत टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला जीत गई। टीम इंडिया के परफॉरमेंस को देखते हुए छत्तीसगढ़ में जश्न पहले से ही शुरू हो गया था। राजधानी रायपुर में हर तरफ पटाखा फूट रहे हैं। बिलासपुर, कोरबा, दंतेवाड़ा से क्रिकेट फैंस की तस्वीरें सामने आई है। जहां बड़े स्क्रीन पर मैच को एंजाय किया। राजधानी रायपुर में खम्हारडीह स्थित सुरेश्वर महादेव मंदिर में युवकों ने बैट लेकर भगवान शिव की अराधना की। हवन कर भारत की जीत के लिए प्रार्थना की। छत्तीसगढ़ क्लब में बड़े प्रोजेक्टर लगाए गए हैं। कोरबा के अप्पू गार्डन में मैच देखने और लाइव ढोल परफॉरमेंस का आयोजन किया गया है। दुर्ग के शांति नगर दशहरा मैदान में लाइव प्रोजेक्टर में मैच देखा गया। बिलासपुर और दंतेवाड़ा में भी प्रोजेक्टर लगाए गए थे।

भारत ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीत लिया है. फाइनल मैच में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर इतिहास रच दिया है. भारत ऐसा पहला देश बन गया है, जिसने टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी को डिफेंड किया है. अहमदाबाद में खेले गए इस फाइनल मैच में भारत ने पहले खेलते हुए 255 रन बनाए थे, जवाब में कीवी टीम 159 रन ही बना सकी. अब तक वेस्टइंडीज और इंग्लैंड भी 2-2 बार टी20 वर्ल्ड चैंपियन बने हैं, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी को 3 बार जीतने वाला भारत पहला देश बन गया है. टीम इंडिया ने 2007, 2024 और अब 2026 का खिताब जीता है. इससे पहले कोई भी टीम लगातार 2 बार टी20 फॉर्मेट का वर्ल्ड कप नहीं जीत पाई थी. भारत इस उपलब्धि को हासिल करने वाला भी पहला देश बना है.

बनाया था फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर

भारतीय टीम टॉस हारने के बाद पहले बैटिंग करने आई थी. संजू सैमसन, ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने तूफानी अंदाज में अर्धशतक लगाया. सैमसन ने 89 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप में उनकी लगातार तीसरी अर्धशतकीय पारी रही. वहीं अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेली, इस दौरान उन्होंने 18 गेंद में पचासा जड़ा. ईशान किशन ने भी 25 गेंद में 54 रनों का योगदान दिया.भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 255 रन बनाए थे. यह टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर रहा. इससे पिछला रिकॉर्ड भी भारत के ही नाम था, जिसने 2024 वर्ल्ड कप के फाइनल में 176 रन बनाए थे. अब टीम इंडिया ने अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर करते हुए 255 रन बनाए.

96 रनों की जीत

256 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई न्यूजीलैंड की टीम कभी जीत की रेस में थी ही नहीं. टिम साइफर्ट के 52 रन और कप्तान मिचेल सैंटनर की 43 रनों की पारी के अलावा कोई भी कीवी बल्लेबाज प्रभावशाली पारी नहीं खेल पाया.भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट जसप्रीत बुमराह ने लिए, जिन्होंने कुल 4 विकेट झटके. वहीं अक्षर पटेल ने 3 बल्लेबाजों को आउट किया. उनके अलावा हार्दिक पांड्या, वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा ने भी एक-एक विकेट लिया.

मैन ऑफ द सीरीज
संजू सैमसन
(321 रन)

मैन ऑफ द मैच
जसप्रीत बुमराह
(4 विकेट)

महतारी वंदन योजना से मातृशक्ति को मिला आर्थिक संबल : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बस्तर के लाल बहादुर शास्त्री मिनी स्टेडियम में आयोजित वृहद महतारी वंदन सम्मेलन-2026 में प्रदेश की माताओं-बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण ही विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है और राज्य सरकार का हर निर्णय महिलाओं के कल्याण, सम्मान और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखकर लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर महतारी वंदन योजना की 25वीं किश्त जारी करते हुए प्रदेश की 69 लाख 48 हजार महिलाओं के खातों में 641 करोड़ 58 लाख रुपये अंतरित किए। इसके साथ ही इस योजना के अंतर्गत अब तक महिलाओं को 16 हजार 237 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि माताओं-बहनों के आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने वाला जनकल्याणकारी अभियान बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें 10 मार्च 2024 का वह दिन याद है, जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महतारी वंदन योजना का शुभारंभ किया था। उसी समय यह संकल्प लिया गया था कि प्रदेश की प्रत्येक पात्र महिला के खाते में हर महीने निर्धारित तिथि पर एक हजार रुपये की राशि पहुंचेगी।

'लक्ष्मी सखी मिलेट कार्ट' का शुभारंभ

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 'लक्ष्मी सखी मिलेट कार्ट' का शुभारंभ भी किया गया। महिलाएं मिलेट आधारित खाद्य सामग्री तैयार कर उसका विक्रय करेंगी, जिससे उन्हें सतत आजीविका और आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार गठन के तुरंत बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को लागू करने की दिशा में गंभीरता से कार्य किया गया।

36 गढ़ का 36 अभिमान

कौशल्या साय

जीवनसंगिनी नहीं, बल्कि एक सशक्त, संयमित और विचारशील व्यक्तित्व की प्रतिनिधि हैं, जिनकी भूमिका सार्वजनिक जीवन के समानांतर चलती एक शांत शक्ति की तरह दिखाई देती है। राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने वाली कौशल्या साय ने वैचारिक स्पष्टता को व्यवहारिक जीवन से जोड़ा है।

भावना बोहरा

पंडरिया की विधायक हिंदुत्व की मुखर प्रतिनिधि के रूप में उभरी है। उनका 'घर वापसी' अभियान सांस्कृतिक अस्मिता की पहचान है।

डॉ. वर्णिका शर्मा

छग राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष हैं और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच की राष्ट्रीय महामंत्री हैं।

लक्ष्मी राजवाड़े

मात्र 31 वर्ष की आयु में मंत्री पद संभालना उन्हें राज्य की सबसे कम उम्र की मंत्री के रूप में स्थापित करता है। महिला होने के नाते वे महिलाओं की चुनौतियों को भीतर से समझती हैं। लक्ष्मी राजवाड़े राजनीति में युवा ऊर्जा, महिला नेतृत्व की नई पहचान बनकर उभरी हैं।

डॉ. प्रियंका शुक्ला

स्वास्थ्य सेवाओं की आयुक्त सह संचालक और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की विशेष सचिव के रूप में संकट प्रबंधन को व्यवहारिक धरातल पर लागू किया।

नम्रता जैन

रायपुर, सुकमा, कोरिया और महासमुंद में एसडीएम, अपर कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ के रूप में उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया।

अंकिता शर्मा

एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन के रूप में उन्हें छत्तीसगढ़ की पहली महिला आईपीएस अधिकारी होने का गौरव मिला जिन्हें नक्सल मोर्चे की कमान सौंपी गई।

भावना गुप्ता

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ चीफ्स ऑफ पुलिस द्वारा आईएसीपी अवार्ड से सम्मानित होने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला आईपीएस बनीं।

दिव्या मिश्रा

आईएएस अधिकारी के रूप में उन्होंने प्रशासनिक तंत्र में अपनी पहचान एक जनकेन्द्रित, संवेदनशील और निर्णायक अधिकारी के रूप में स्थापित की है।

रत्ना सिंह

रत्ना सिंह उन युवा पुलिस अधिकारियों में शामिल हैं जिन्होंने कम समय में अपनी कार्यशैली, निर्णय क्षमता और अनुशासन से अलग पहचान बनाई है।

दीपाली सरावगी

17 फरवरी2017 को दो साथियों के सहयोग से उन्होंने नॉर्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन की शुरुआत की, जिसे आज दुनिया 'नाचा' के नाम से जानती है।

सुमेधा कर्महे

सुमेधा उस नई पीढ़ी की प्रतिनिधि आवाज़ हैं, जिसने छत्तीसगढ़ की माटी की सोंधी महक को हिंदी फिल्म संगीत की मुख्यधारा तक पहुंचाया।

अल्का चंद्राकर

'रानी के फुंदरा' से मशहूर हुई अल्का चंद्राकर छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत की दुनिया में सशक्त और सम्मानित स्वर हैं, जिनकी गायकी में माटी की सुगंध समाहित है।

मोनिका वर्मा

छत्तीसगढ़ की फिल्मों में संगीत निर्देशन करने वाली वे पहली महिला आर्टिस्ट के रूप में जानी जाती हैं। जुनून जब संकल्प बन जाए तो वह परंपराएं बदल देता है।

अंकिता पांडेय

अंकिता पांडेय शुक्ला ने समाज के उन कोनों को अपना कार्यक्षेत्र बनाया है, जहां अक्सर सन्नाटा बसता है। वे उन बच्चों की आवाज बनी हैं, जो डर, के कारण बोल नहीं पाते।

सुदेशना रुहान

वर्ष 2022 में उन्होंने निरामय कैंसर फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका मुख्य उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

अर्चना झा

रायपुर में एडिशनल डीसीपी हेडक्वार्टर की जिम्मेदारी संभाल रहीं अर्चना झा ने पुलिस सेवा को नई संवेदनशीलता और दृढ़ता के साथ परिभाषित किया।

तरुणा साहू

तरुणा साहू पंडवानी की परंपरागत कापालिक शैली की सशक्त साधिका हैं और साथ ही भारतीय रेल सुरक्षा बल में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत एक दृढ़निश्चयी अधिकारी।

शांता शर्मा

उनका जीवन एक सतत अभियान है, जिसका ध्येय है छत्तीसगढ़ की मिटती हुई सांस्कृतिक स्मृतियों को फिर से जनजीवन में प्रतिष्ठित करना।

डेमेश्वरी गजेन्द्र

एक शिक्षिका से आगे बढ़कर सेवा और समर्पण की सजीव रूप में प्रतिष्ठित हैं। वे प्रतिवर्ष अपनी एक माह की संपूर्ण वेतनराशि विद्यार्थियों के हित में अर्पित करती हैं।

विद्या राजपूत

2009 में उन्होंने 'मितवा संकल्प समिति' की स्थापना की। ये एक ऐसा मंच बन गया है, जिसने छत्तीसगढ़ में ट्रांसजेंडर समुदाय को संगठित स्वर दिया।

ललेश्वरी साहू

बोरसी में 'जीविका स्व सहायता समूह' का गठन कर उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में संगठित किया। दस हजार महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण।

मंदाकिनी तिवारी

उनके द्वारा स्थापित 'छत्तीसगढ़ हैंडलूम' ब्रांड स्वावलंबन का नेटवर्क है जहां सौ से अधिक महिलाएं रिसेलिंग के माध्यम से आय अर्जित कर रही हैं।

नेहा पाणिग्रही

बस्तर की मिट्टी से निकलकर सिनेमा की दुनिया तक पहुंचने वाली नेहा पायल पाणिग्राही ने अपनी मेहनत, प्रशिक्षण दृढ़ संकल्प के दम पर अलग पहचान बनाई है।

आकर्षी कश्यप

साउथ एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया जिसमें भारतीय महिला टीम ने गोल्ड जीता था। 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में मिक्स्ड टीम इवेंट में सिल्वर मेडलिस्ट है।

नैना सिंह

दुनिया की सबसे ऊंची चोटी (8848.86 मीटर) माउंट एवरेस्ट और चौथी ऊंची चोटी माउंट ल्होत्से (8516 मीटर) मीटर को 10 दिनों के अंदर चढ़ाई कर तिरंगा फहराया।

रेणुका यादव

रेणुका महिला राष्ट्रीय हॉकी टीम में मिडफील्डर और फुलबैक हैं। 2016 रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली टीम की वे सबसे कम उम्र की खिलाड़ियों में शामिल थीं।

सुप्रिया सिंह

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज परीक्षा में ऑल इंडिया चौथी रैंक हासिल कर भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद के लिए चयनित।

शशि दुहन

एसईसीएल बिलासपुर की 'श्रद्धा महिला मण्डल' की अध्यक्ष शशि दुहन बीते दो दशकों से सेवा, संवेदना और संगठन क्षमता की मिसाल बनी हुई हैं।

मीनाक्षी शर्मा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष के रूप में वे महिला कल्याण, सामुदायिक सहयोग और सांस्कृतिक एकजुटता को मजबूत कर रही हैं।

सतवंत कौर

बिलासपुर की सतवंत कौर ने मूक बधिर बच्चों की दुनिया में उम्मीद की नई रोशनी जलाई है। पिछले दस वर्षों में उन्होंने 150 से अधिक दिव्यांग बच्चों की सहायता की।

शिल्पा पाण्डेय

समाजसेवी और अधिवक्ता शिल्पा पाण्डेय ने विधि और समाजसेवा, दोनों क्षेत्रों में समान ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ अपनी पहचान स्थापित की है।

डॉ. भावना सिरोही

बालको मेडिकल सेंटर में मेडिकल डायरेक्टर के रूप में पदस्थ डॉ. सिरोही 200 से अधिक शोध प्रकाशनों के साथ मानवीय कैंसर देखभाल की सशक्त आवाज हैं।

रुपेश्वरी चंदेल

पुणे, दिल्ली, रायपुर और भिलाई की प्रतिष्ठित कला दीर्घाओं में उनकी कृतियाँ प्रदर्शित हो चुकी हैं। वे कला को समाज की चेतना से जोड़ने का सतत प्रयास कर रही है।

शकुंतला शर्मा

साहित्य जगत में शकुंतला शर्मा का नाम श्रद्धा के साथ लिया जाता है। हिंदी, संस्कृत और छत्तीसगढ़ी तीनों भाषाओं पर उनका समान अधिकार उनकी विशिष्ट पहचान है।

डॉ. मौ रॉय

डॉ. मौ रॉय छत्तीसगढ़ और मध्य भारत की अग्रणी सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट हैं। 22 वर्ष से ज्यादा के अनुभव और 12 हजार से ज्यादा जटिल सर्जरी की।

शिक्षा विभाग में फर्जी पदोन्नति

नियमों की अनदेखी कर दो कर्मचारियों को बना दिया अधिकारी, जेडी ने आदेश किया रद्द

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के दुर्ग संभाग में फर्जी पदोन्नति का मामला सामने आया है। जेड़ी ने मामले में एक्शन लेते हुए दो कर्मचारियों की पदोन्नति को निरस्त कर दिया है। साथ ही जांच कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दरअसल, कबीरधाम जिले में शिक्षा विभाग के दो कर्मचारी एसके निर्मलकर कनिष्ठ लेखा परीक्षक व जेपी बर्वे का लेखपाल के पद से पदोन्नति कर सहायक ग्रेड 01 के पद पर किया गया था। इस दौरान पता चला कि दोनों की पदोन्नति विभागीय सेवा भर्ती नियम के विपरीत की गई थी। मामले में कार्रवाई करते हुए जेडी ने पदोन्नति आदेश को निरस्त कर दिया। साथ ही संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ जांच कार्रवाई के निर्देश दिए गये हैं।'

'कबीरधाम, 28.01.2026 के माध्यम से जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम के आदेश क्रमांक/1705/मुलि./पदोन्नति / 2021 कबीरधाम, 27.05.2021 के द्वारा एस०के० निर्मलकर का कनिष्ठ लेखा परीक्षक एवं जेपी बर्वे का लेखापाल (अप्रिशिक्षित) के पद से पदोन्नति सहायक ग्रेड-1 के पद पर की गयी है, जो कि विभागीय सेवा भर्ती नियम के विपरीत होने के कारण पदोन्नति आदेश को निरस्त किये जाने तथा संबंधित लिपिक के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रस्ताव कार्यालय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग दुर्ग को प्राप्त हुआ है। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर के आदेश क्रमांक एफ 4-22/20-दो/2009 रायपुर, 17.06.2013 (राजपत्र) के अनुसार छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग तृतीय श्रेणी (लिपिक वर्गीय एवं अलिपिक वर्गीय) सेवा भर्ती नियम 2009 में संशोधन प्रकाशित किया गया है, जिसकी अनुसूची 4(pi)(31) के स०क्र०-02 के अनुसार सहायक ग्रेड 1 के पद पर पदोन्नति हेतु सहायक ग्रेड-2 के पद पर का अनुभव होना उल्लेखित है।

जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम द्वारा उक्तानुसार जारी पदोन्नति आदेश 27.05.2021 के द्वारा कनिष्ठ लेखा परीक्षक एवं लेखापाल के पद से सहायक ग्रेड 01 के पद पर पदोन्नति आदेश जारी किया गया है, जो कि शासन द्वारा जारी सेवा भर्ती नियम के विपरीत होने के कारण उक्त आदेश के तहत् पदोन्नत सहायक ग्रेड-1. एस०के० निर्मलकर एवं जेपी बर्वे को क्रमशः कार्यालयीन पत्र क्रमांक 552 एवं 554 दिनांक 02.02.2026 के माध्यम से प्रतिवाद प्रस्तुत करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया। जारी पत्र के परिपालन में एसके निर्मलकर व जेपी बर्वे द्वारा 6.02.2026 को अपना प्रतिवाद (उत्तर) इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है, संबंधितों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवाद (उत्तर) विभागीय सेवा भर्ती नियम के विपरीत तथा समाधानकारक नहीं है। जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम को उक्त पदोन्नति के संबंध में मूल नस्ती, डीपीसी समिति की अनुशंसा/कार्यवाही विवरण एवं समस्त अभिलेख अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत किये जाने हेतु पत्र प्रेषित किया गया। उक्त पत्र के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम द्वारा सहायक संचालक एवं कक्ष लिपिक के हस्ते 6.02.2026 मूल नस्ती अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मूल नस्ती के अवलोकन में उक्त पदोन्नति के संबंध में विचारण क्षेत्र में आने वाले कर्मचारियों की निर्धारित प्रपत्र में सूची, विभागीय छानबीन एवं पदोन्नति समिति की अनुशंसा/कार्यवाही विवरण, गोपनीय प्रतिवेदन, रिक्त पदों की स्थिति एवं अन्य दस्तावेज नहीं पाया गया।"

कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक
शिक्षा संभाग दुर्ग (छ०ग०)
-: आदेश :-
दुर्ग, दिनांक 5 MAR 2026

छत्तीसगढ़ में गर्मी का अलर्ट, हीटवेव से निपटने स्वास्थ्य विभाग ने कसी कमर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार गर्मी बढ़ रही है। मार्च महीने के शुरूआत से ही लोग गर्मी से हलाकान हो रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिलों के लिए एडवाइजरी जारी की है। जिला अस्पतालों सहित सभी स्वास्थ्य संस्थानों में गर्मी से होने वाली बीमारियों के प्रबंधन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं।

जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHC) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) में हीट स्ट्रोक प्रबंधन कक्ष सक्रिय रखे जाएं।इन केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में ओआरएस, आईवी फ्लूड, आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयों तथा शीतलन संबंधी व्यवस्थाएँ उपलब्ध रखने को कहा है, ताकि गर्मी से प्रभावित मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके। विभाग ने बताया कि समुचित सुविधाओं से युक्त ऊष्मा आघात कक्ष रायपुर और दुर्ग जिला अस्पताल मे बनाये जा चुके हैं साथ ही अन्य सभी जिलों मे भी इस प्रकार के कक्ष बनाएं जाने निर्देश दिए गए हैं।एम्बुलेंस सेवाओं को भी अलर्ट मोड में रखने और जरूरत पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्यकम की राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ स्मृति देवांगन ने कहा..."अत्यधिक तापमान के संपर्क में आने से शरीर में हीट स्ट्रेस की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे हीट रैश, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर आना, सिरदर्द, अत्यधिक प्यास और उल्टी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। गंभीर अवस्था में शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो जाने पर हीट स्ट्रोक की स्थिति बन जाती है, जो चिकित्सकीय आपातकाल मानी जाती है।" उन्होंने कहा कि "हीट वेव से बचाव के लिए आवश्यक है की गर्मी के मौसम में पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें।

सरकारी कार्यालयों के बकाया बिजली बिल वसूली के लिए चलेगा अभियान

रायपुर। बकाया वसूली को लेकर बिजली कंपनी ने सख्ती बरतना शुरू कर दिया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी भीम सिंह कंवर ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये अफसरों की मीटिंग लेकर सरकारी कार्यालयों के बकाया बिजली बिल वसूली के लिए विशेष अभियान चलाने का फरमान जारी किया है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने प्रदेश के शासकीय कार्यालयों में बकाया बिजली बिल की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाने का फरमान जारी किया है।पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बैठक कर बकाया वसूली के संबंध में दिशा निर्देश दिए। MD ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिला एवं कंपनी के संभागीय कार्यालयवार शासकीय कार्यालयों के बकाया संबंधी जानकारी एकत्र कर एक सप्ताह के भीतर समीक्षा पूरा करें। अवैध कनेक्शन लेने वाले घरेलू एवं व्यवसायिक उपभोक्ताओं की जानकारी एकत्र करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अभियान चला कर बकाया राशि की वसूली की जाए।

कृषि पंपों को बिजली आपूर्ति निर्बाध रूप से हो

वर्तमान में रबी फसल के लिए कृषि सिंचाई पंप की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए संवेदनशीलता से इन मामलों में निर्णय लेने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि कृषि पंपों को बिजली आपूर्ति निर्बाध रूप से होती रहे इसके लिए प्राथमिकता के आधार पर कैपेसिटर बैंक लगाए जाएं एवं सभी उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

मेंटेनेंस पर फोकस

बढ़ती गर्मी के साथ ही विद्युत मांग में संभावित बढ़ोतरी को देखते हुए मैदानी अमले द्वारा प्राथमिकता से रखरखाव सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यपालक निदेशक राजस्व सहदेव ठाकुर, कार्यपालक निदेशक संचारण एवं संधारण जेएस नेताम समेत सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य अभियंता शामिल हुए।

करोड़ों के हथियार सौपे, 4.18 करोड़ का पुनर्वास पैकेज मिलेगा, इनमें देवजी टीम के सदस्य भी

बस्तर के 125 नक्सलियों ने तेलंगाना में डाले हथियार

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के 125 नक्सलियों ने तेलंगाना पुलिस के सामने सरेंडर किया है। इस दौरान तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी मौजूद थे। आत्मसमर्पण करने वाले कुल 130 नक्सली है, इनमें 125 छत्तीसगढ़ के हैं। मुख्यधारा में लौटने पर सरकार पुर्नवास नीति के तहत इन्हें कुल 4 करोड़ 18 लाख रुपए देगी। समर्पित नक्सली अपने साथ बड़ी मात्रा में हथियार लाए थे। इनमें इंसास, राइफल, बीजीएल शामिल है। इन सभी हथियारों की अनुमानित कीमत करोड़ों में हैं। बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नक्सली डेडलाइन में अब 24 दिन रह गए हैं। वहीं, बस्तर IG सुंदरराज पी ने जानकारी दी कि बस्तर रेंज में पिछले 6 महीने में 1300 से ज्यादा नक्सली सरेंडर कर चुके हैं।

देवजी की टीम के माओवादी भी शामिल

इन 130 माओवादी कैडर्स में नक्सल संगठन के कई अहम सदस्य भी शामिल हैं। हाल ही में आत्मसमर्पण कर चुके माओवादी संगठन के चीफ देवजी की PLGA कमांडर टीम के सदस्य भी इस सरेंडर में शामिल हैं।

ICCC सेंटर में हुआ कार्यक्रम

माओवादियों ने यह आत्मसमर्पण 7 मार्च को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित ICCC सेंटर में किया। कार्यक्रम में तेलंगाना सरकार के सीनियर अधिकारी और पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी भी मौजूद रहे।

सुरक्षाबलों के दबाव के कारण सरेंडर जारी

सुरक्षाबलों के लगातार दबाव और सरकार की पुनर्वास नीति के कारण माओवादी कैडरों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। बड़ी संख्या में हुए इस सामूहिक आत्मसमर्पण को सुरक्षा एजेंसियां माओवादी संगठन के लिए एक बड़ा झटका मान रही हैं। सरकार ने कहा है कि जो भी उग्रवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, उनके लिए पुनर्वास और नई शुरुआत के सभी रास्ते खुले हैं।

दिल्ली में चमकी बस्तर की मलखंभ प्रतिभा

शहर सत्ता/रायपुर। दिल्ली में आयोजित फिट इंडिया कार्निवाल 2026 में छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल से आए युवा और बच्चों की टीम ने अपनी अद्भुत मलखंभ प्रस्तुति से पूरे कार्यक्रम को रोमांच और प्रेरणा से भर दिया। लगभग 15 फीट की ऊंचाई पर साहस, संतुलन और अनुशासन के साथ किया गया उनका प्रदर्शन देखकर उपस्थित सभी लोग अचंभित रह गए। जब इन बच्चों ने ऊंचाई पर निर्भीकता के साथ अपनी कला का प्रदर्शन किया, तो पूरा सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने जब इन प्रतिभाशाली युवा और बच्चों की कला देखी, तो वे भी उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास को देखकर गौरवान्वित और अचंभित हो उठे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि मेहनत, अनुशासन, साहस और आत्मविश्वास का जीवंत उदाहरण है।

कार्यक्रम के उपरांत तोखन साहू ने पूरे स्नेह और गर्व के साथ बस्तर की इस प्रतिभाशाली टीम को अपने दिल्ली स्थित निवास पर आमंत्रित किया। अपने निवास पर उन्होंने सभी युवा और बच्चों का आत्मीय अभिनंदन और सम्मान किया, उनके साथ सादगी और अपनत्व के साथ बैठकर नाश्ता किया और उनसे संवाद कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर तोखन साहू ने कहा कि "जब बस्तर के गांवों से निकलकर हमारे बच्चे और युवा 15 फीट की ऊंचाई पर निर्भीक होकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, तब यह केवल एक प्रस्तुति नहीं होती, यह भारत की नई ऊर्जा और नए आत्मविश्वास की पहचान बन जाती है। आप सभी ने छत्तीसगढ़ ही नहीं, पूरे देश का मान बढ़ाया है।"

साप्ताहिक शहर सत्ता

महिला दिवस पर सुरक्षा के लिए पिंक पेट्रोलिंग टीम शुरू

दो शिफ्ट में काम करेगी टीम, छेड़छाड़ या स्टॉकिंग पर तुरंत हेल्पलाइन करें

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च 2026) के अवसर पर महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए नई पहल की है। पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला ने "पिंक पेट्रोल यूनिट" शुरू की। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित कांबले ने इस टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस पहल के तहत रायपुर पुलिस में तीन पिंक पेट्रोलिंग टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों में कुल 27 अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं, जो कॉल ट्रैकर और पेट्रोलिंग के जरिए महिलाओं को तुरंत मदद देंगे। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त डॉ. अर्चना झा, डीसीपी सेंट्रल तारकेश्वर पटेल, सहायक पुलिस आयुक्त रुचि वर्मा, निलेश द्विवेदी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

टीम रोज दो शिफ्टों में काम करेगी

सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे और दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक। ये टीम संवेदनशील इलाकों में सरप्राइज पेट्रोलिंग करेगी, महिलाओं को सुरक्षा कानून और हेल्पलाइन नंबर की जानकारी देगी। खासतौर पर छात्राओं, कामकाजी महिलाओं और हॉस्टल या पीजी में रहने वाली महिलाओं पर ध्यान दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर मौके पर ही मदद और काउंसलिंग भी मिलेगी।

महिला सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन शुरू

महिलाओं की त्वरित मदद के लिए व्हाट्सएप हेल्पलाइन 94792-10932 जारी किया गया है। पुलिस ने सभी महिलाओं से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति, उत्पीड़न, स्टॉकिंग या छेड़छाड़ की घटना होने पर तुरंत इस नंबर या पुलिस को सूचित करें। इस पहल से रायपुर में महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

धान खरीदी केंद्र में धान पर पानी डालने का मामला, चार कर्मचारियों पर FIR दर्ज

शहर सत्ता/रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित भलेरा के धान उपार्जन केंद्र में संग्रहित धान पर मोटर पंप से पानी डालने का मामला सामने आया है। वायरल वीडियो के आधार पर कलेक्टर गौरव सिंह जी द्वारा गठित जाँच समिति की रिपोर्ट में धान में नमी पाई गई। जांच में,समिति के प्रभारी प्रबंधक विष्णु साहू, लिपिकीय सहायक उमेश कुमार साहू, प्रोसिसर्वर इंदरमन निषाद तथा दैनिक कर्मचारी जितेन्द्र कुमार साहू की लापरवाही सामने आई है। यह कृत्य छत्तीसगढ़ शासन की धान उपार्जन नीति 2025–26 के प्रावधानों के विपरीत पाया गया। जिसके पश्चात चारो कर्मचारियो को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

भौतिक सत्यापन के दौरान लगभग 10500 बोरा धान नमीग्रस्त पाया गया, जिसका पंचनामा तैयार किया गया। जांच उपरांत मामले में संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध उप आयुक्त सहकारिता द्वारा FIR के लिए निर्देशित किया गया.

युवती का अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी, 5 लाख मांगे

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर में एक युवती के अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 5 लाख रुपए मांगे गए। आरोपी ने युवती की मां को बीच सड़क पर रोककर पैसे नहीं देने पर पति को चाकू मारने और बेटी को उठाने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला टैगोर नगर इलाके का है। निजी अपार्टमेंट में रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 5 मार्च की रात करीब 10 बजे वह पुजारी पार्क के पीछे अपने पालतू कुत्ते को घुमाने गई थी। उसी दौरान बैजनाथपारा में रहने वाला हार्दिक जैन वहां पहुंचा और धमकाने लगा।

आरोप है कि हार्दिक जैन ने कहा कि उसकी बेटी के अश्लील फोटो और वीडियो उसके पास हैं। अलग परिवार की भलाई चाहती हो तो 5 लाख रुपए दे दो, नहीं तो वह फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। अचानक मिली धमकी से महिला घबरा गईं। उन्होंने उससे सवाल किया तो आसपास लोग इकट्ठा हो गए, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला।

अगले दिन फिर दी धमकी

महिला के मुताबिक, 6 मार्च को दोपहर करीब 4 बजे आरोपी ने उनके मोबाइल पर फोन कर फिर धमकी दी। उसने कहा कि यदि पैसे नहीं दिए तो वह उनके पति को चाकू मार देगा और बेटी को उठाकर ले जाएगा। लगातार मिल रही धमकियों से महिला का परिवार दहशत में है। इसके बाद उन्होंने सिटी कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दी।

पुलिस ने दर्ज किया केस

कोतवाली निरीक्षक सतीश ठाकुर ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

गर्भवती इंटीरियर डिजाइनर को मारा थप्पड़, मामला दर्ज

डॉग रेस्क्यू टीम ने बीच सड़क मारपीट की टी शर्ट खींची, धक्का दिया

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में पालतू कुत्ते की सही देखभाल नहीं करने पर 'पशु प्रेमी रेस्क्यू संस्था' की सदस्य ने गर्भवती महिला को थप्पड़ मारा है। उसकी टी-शर्ट को खींचकर उसे धक्का दिया। बीच सड़क हुए इस विवाद का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें 2 महिला गर्भवती को मारते नजर आई। मामला पुरानी बस्ती क्षेत्र का है। पीड़िता का आरोप है कि पेट्स की देखभाल को लेकर रेस्क्यू सदस्यों ने मारपीट की और पेट्स और मोबाइल छीनकर ले गए। पीड़िता ने रेस्क्यू संस्था की सदस्य किरण घनश्याम आहूजा के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

क्या है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार, भिलाई के नेहरू नगर की रहने वाली पीड़िता गुरप्रीत कौर इंटीरियर डिजाइनिंग का काम करती हैं। 27 फरवरी को वह रायपुर के भाठागांव इलाके में स्थित कृष्ण होटल में आई थी। वो अपने दो पालतू कुत्ते भी साथ ले आई थी। 27 फरवरी को वो उन्हें होटल में ही छोड़कर निजी काम के लिए गई थी। जब वह दोपहर डेढ़ बजे होटल पहुंची, तो खुद को पशु प्रेमी संस्था की पदाधिकारी बताने वाली किरण आहूजा और टीम मेंबर ने उससे मुलाकात की। इस दौरान किरण आहूजा ने गुरप्रीत से कुत्ते को ठीक से नहीं रखने पर उसे जमकर खरी खोटी सुनाई और एक थप्पड़ जड़ दिया। संस्था के टीम मेंबर गुरप्रीत के पेट डॉग को उससे छीन लिया।

संस्था की दूसरी मेंबर ने भी मारा

जब गुरप्रीत ने इसका विरोध किया तो संस्था की दूसरी मेंबर गुस्से में आगे आई और गुरप्रीत को तमाचा जड़ दिया। फिर उसके टी-शर्ट को खींचकर उसे धक्का दे दिया। इसके बाद संस्था के टीम मेंबर गुरप्रीत के पेट डॉग और मोबाइल छीनकर साथ ले गए। घटना के बाद पीड़िता ने पुरानी बस्ती थाना पहुंचकर शिकायत की। पीड़िता की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने किरण आहूजा के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

गांजा तस्करी करते महिला समेत 2 को पुलिस ने रंगे हाथ पकड़ा

हिस्ट्रीशीटर पति के जेल जाने के बाद पत्नी कर रही थी स्मगलिंग

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 6.140 किलोग्राम गांजा और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक्टिवा स्कूटी जब्त की गई है, जिसकी कीमत करीब 3.57 लाख रुपए बताई जा रही है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार महिला की पहचान माधुरी जैन उर्फ डॉली (37) के रूप में हुई है, जो खमतराई थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर उदय जैन की पत्नी है। उदय जैन पहले से ही नारकोटिक एक्ट के एक मामले में जेल में बंद है। दूसरे आरोपी का नाम कृष्ण साहू (18) है, जो रायपुर के सन्यासी पारा इलाके का रहने वाला है। पुलिस उपायुक्त (क्राइम और साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (मध्य) उमेश प्रसाद गुप्ता की मॉनिटरिंग में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) और तेलीबांधा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की।

मुखबिर से मिली थी सूचना

दरअसल, 7 मार्च को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक महिला और युवक एक्टिवा से आरंग की ओर से रायपुर आ रहे हैं और उनके पास बैग में गांजा है। सूचना के आधार पर टीम ने आरंग-रायपुर रिंग रोड स्थित एक कार शोरूम के पास नाकेबंदी कर दी। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिए के अनुसार एक्टिवा आती दिखाई दी। पुलिस ने वाहन रोकने का इशारा किया तो चालक ने तेज गति से भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पीछा कर घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके बैग से 6.140 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा और एक्टिवा (सीजी-04-एनवाई-9483) जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सिंडिकेट के अन्य आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, महिला गांजा कहां से लाई? उसके सिंडकेट में कौन-कौन है? इसका पता लगाया जा रहा है। सिंडिकेट से जुड़े सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

कमल बनाम अफीम

छत्तीसगढ़िया किसान भौचक्का हैं, भाजपा प्रदेश संगठन बौखला गया है, प्रशासन भी हतप्रभ है और कांग्रेस तंज कसने लगी है "कमल के फूल वाली पार्टी के नेता अफीम के फूल उगा रहे हैं।" सच भी है गांजा तस्करी का स्वर्ग माने जाने वाले प्रदेश में अब मध्य प्रदेश के खंडवा(बड़गांव गुजर)में जैसे अफीम उगाया जाने लगा है। मध्य प्रदेश के रतलाम, मंदसौर बेल्ट में वहां के पटेल गेहूं के खेत में चोरी छिपे अफीम लगा कर धन्ना सेठ बन गए। कमोबेश यही सोचकर छत्तीसगढ़ का पहला अफीम का खेत भाजपा किसान मोर्चा नेता के 10 एकड़ खेत में अब अफीम के पौधे और फूल लगाए गए थे। कीमत भी फसल की करोड़ों में है।

छत्तीसगढ़ के मेहनतकश किसान धान मक्का उगाकर जो नहीं कमाते और एमएसपी के भरोसे रहते हैं उनको पथभ्रष्ट करने के लिए भाजपा किसान मोर्चा के नेता के खेत की अफीम फसल काफी है। यह भी कहना गलत नहीं होगा कि वर्षों से की जारही इस अवैध उपज की भनक पुलिस और जिला प्रशासन को कैसे नहीं हो पाई। जबकि अफीम के फूल जब पकते हैं तो उसकी महक से ही पकड़ा जा सकता है। खैर, हरे नोटों की खुशबू अफीम की नशीली महक से ज्यादा होगी इसलिए सब बेसुध से थे। वो तो भला हो गांव के बच्चों का जो होली की लकड़ी इकट्ठी करने के चक्कर में भुट्टों के खेत पहुँच गए और अनजाने में अफीम का फूल और फल साथ तोड़कर ले आये। बताते हैं ग्रामीणों ने जब उनके हाथ में इस अजीब से फूल को देखा और नेट सर्च किया गया तब अफीम की अवैध खेती का खुलासा हुआ।

खुशकिस्मती से बैठे-बिठाये विपक्ष को मुद्दा मिल गया है और बदकिस्मती से खेत भी भाजपा किसान मोर्चा नेता का है। स्वाभाविक है कि सोमवार से फिर शुरू होने वाले विधानसभा के बजट सत्र से लेकर सड़कों तक सुशासन को कटघरे में लेन की कोशिशें होगी। इसलिए भी आनन फानन में प्रदेश भाजपा संगठन ने भाजपा नेता को निलंबित कर दिया है। सुनने में तो यह भी आ रहा है कि नाक बचने के लिए अधिया में खेत जाने और सारा ठीकरा अधिया लेने वाले राजस्थान के दोनों लोगों पर फोड़ा जायेगा। लेकिन शायद ऐसा करने वालों को यह नहीं पता कि घर किराये पर देने भर से वहां हो रही अवैध गतिविधियों की आंच मकान मालिक तक नहीं आएगी यह नहीं सोचना चाहिए। कांग्रेस और भाजपा के लिए यहीं एक नसीहत है कि संसार जब साधु और राजा को उलझते देखता है, तो चिंतित हो जाता है। साधु और राजा जब भी विवाद करेंगे, साधु का वर्तमान बिगड़ेगा और राजा का भविष्य।

'आप' नेताओं की रिहाई के बाद कांग्रेस क्यों चिंतित है?

पंजाब में कांग्रेस इस उम्मीद पर दांव लगाए बैठी है कि आप सरकार के खिलाफ एंटी-इंकम्बेंसी और अंदरूनी खींचतान उसे स्वाभाविक बढ़त देगी। भाजपा फिलहाल राज्य में हाशिये की खिलाड़ी है। जब तक वह अपने पूर्व एनडीए सहयोगी शिरोमणि अकाली दल के साथ कोई ठोस गठबंधन नहीं कर पाती, तब तक अगले चुनाव में उसकी बढ़त सीमित ही रहने की संभावना है।

हालांकि, अगर नतीजा त्रिशंकु विधानसभा के रूप में सामने आता है, तो भाजपा को 'किंगमेकर' की भूमिका निभाने की उम्मीद होगी। यह वही रणनीति है, जिसने पूर्वोत्तर के उन कई राज्यों में उसे सफलता दिलाई है, जहां आज वह क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन में एक जूनियर पार्टनर के रूप में सत्ता में है।

गोवा और गुजरात में भी पिछले विधानसभा चुनावों में आप ने कांग्रेस की कीमत पर ही अपनी पैठ बनाई थी, जिससे दोनों राज्यों में भाजपा की आसान जीत का रास्ता साफ हुआ। ऐतिहासिक रूप से, त्रिकोणीय मुकाबला हमेशा भाजपा के लिए फायदेमंद रहता है, क्योंकि इससे विपक्षी वोट बंट जाते हैं।

अदालती फैसले ने केजरीवाल को जैसे नया जीवन दे दिया है। वे इस मौके को पूरी ताकत से भुनाना चाहते हैं, ताकि चार साल तक चले भ्रष्टाचार के दाग और कानूनी लड़ाई के बाद राजनीतिक वापसी की जमीन तैयार की जा सके।

लेकिन इस फैसले ने सीबीआई की साख पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं और इस बहस को फिर से जिंदा कर दिया है कि क्या जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हथियार की तरह किया जाता है। आरोप खारिज करते समय अदालत की भाषा बेहद सख्त थी।

सीबीआई को फटकार लगाते हुए कोर्ट ने कहा कि पेश सबूत प्रथम दृष्टया मामला तक नहीं बनाते, गंभीर संदेह तो दूर की बात है। इतना ही नहीं, अदालत ने टिप्पणी की कि पूरी आबकारी नीति का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता और पूरी तरह से

अदालती फैसले ने केजरीवाल को जैसे नया जीवन दे दिया है। वे इस मौके को पूरी ताकत से भुनाना चाहते हैं, ताकि चार साल तक चले भ्रष्टाचार के दाग और कानूनी लड़ाई के बाद राजनीतिक वापसी की जमीन तैयार की जा सके।

अविश्वसनीय साबित होता है।

अदालत ने चार्जशीट तैयार करने वाले सीबीआई जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की भी सिफारिश की। एक कमजोर मामले ने केजरीवाल को 150 दिन और सिसोदिया को 530 दिन जेल में रखा। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस ने उनकी साख पर हमले किए। अंततः आप ने दिल्ली की सत्ता गंवाई और तब से राजनीतिक रूप से दबाव में नजर आ रही थी।

चार साल इस मुकदमे की भेंट चढ़ गए। आप नेताओं के पास इसका विरोध करने का कोई ठोस तंत्र भी नहीं है। न्याय की मांग है कि उन्हें सीबीआई के खिलाफ मानहानि, उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना का मुकदमा दायर करने की अनुमति मिले, खासकर तब, जब अदालत स्वयं जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई का संकेत दे चुकी है। लेकिन अभी तो उलटे सीबीआई ही उच्च अदालत में पुनर्विचार याचिका दायर करने पर विचार कर रही है।

कांग्रेस को पहले ही अपने घटते जनाधार की चिंता है। वह पंजाब और गोवा में वापसी की उम्मीद कर रही थी और गुजरात में भाजपा को कड़ी टक्कर देने की रणनीति बना रही थी। लेकिन अब कांग्रेस में बेचैनी साफ झलक रही है।

चिंतन-मनन : अपने रास्ते ठीक से चलें...

राजा और साधु में विवाद के कई प्रसंग शास्त्रों में आए हैं। जो सांसारिक दृष्टि से सफल हो और निजी दृष्टि से संतुष्ट- वो साधु है। हमारे यहां तीन लोगों को महाराज कहा जाता है। साधु, राजा और रसोई बनाने वाले को और ये तीनों ही जीवन में बड़े महत्वपूर्ण हैं।

संसार जब साधु और राजा को उलझते देखता है, तो चिंतित हो जाता है। साधु और राजा जब भी विवाद करेंगे, साधु का वर्तमान बिगड़ेगा और राजा का भविष्य। एक कथा आती है कि वशिष्ठ के पुत्र शक्ति एक बार पुल पार कर रहे थे और वहां से एक राजा आ रहे थे कलमाशपदा।

दोनों इस पर उलझ गए कि पीछे कौन हटेगा, क्योंकि पुल संकरा था और कोई एक ही गुजर सकता है। राजा को पद का अहंकार था, साधु को तप का। साधु ने राजा को राक्षस होने का शाप दिया। राजा राक्षस हुआ और साधु को खा गया। दोनों खत्म हो गए। कहानी यह समझा गई कि अपने-अपने रास्ते ठीक से चलो, क्यों किसी का रास्ता रोकते हो? साधु का अपना मार्ग है, राजा का अपना राजपथ है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी : मोदी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रोटोकॉल को लेकर ममता बनर्जी पर भड़के प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमकर निशाना साधा है. उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की बेइज्जती करने को लेकर आलोचना की है. राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्य में अपने दौरे के दौरान बद इंतजामों पर नाराजगी जताई. इसे शर्मनाक और पहले ऐसा कभी नहीं हुआ बताया. उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गैरमौजूदगी को लेकर भी सवाल उठाया. पीएम मोदी ने राष्ट्रपति का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी बेइज्जती देश के सबसे बड़े संवैधानिक पद की गरिमा का अपमान है. पीएम ने कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के इस अपमान को देश और नारी शक्ति माफ नहीं करेंगी.

बंगाल में राष्ट्रपति का प्रोटोकॉल टूटने पर मचा है बवाल

बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पश्चिम बंगाल में 9वें इंटरनेशनल संथाली कॉन्क्लेव में शामिल होने पहुंचीं थीं. इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम की जगह बदलने को लेकर और बंगाल सरकार के किसी भी मंत्री के कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को लेकर नाराजगी जताई. देखते ही देखते इस मामले में राजनीतिक रंग ले लिया. पीएम मोदी और कई केंद्रीय मंत्रियों समेत बीजेपी नेताओं ने टीएमसी पर गंभीर आरोप लगाए. टीएमसी और अपनी सरकार पर हो रहे इस हमले को लेकर सीएम ममता बनर्जी ने बीजेपी की कड़ी आलोचना की. उन्होंने पलटवार करते हुए इसे मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी के दो महीने में होने वाले राज्य चुनावों से पहले आक्रमक अभियान से जोड़ दिया.

कार्यक्रम की जगह बदलने पर राष्ट्रपति ने जताई थी नाराजगी

शनिवार को राष्ट्रपति मुर्मू आदिवासी समुदाय के सम्मेलन में शामिल हुईं. यह बिधानगर में होने वाला था. बाद में भीड़ का हवाला देकर इसे बागडोगरा एयरपोर्ट के पास गोशाईपुर में एक छोटी जगह शिफ्ट कर दिया गया. इस पर राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें दुख है कि यहां के लोग सम्मेलन में नहीं पहुंच पाए. क्योंकि यह बहुत दूर हो रहा था. संथाल समुदाय से आने वाली मुर्मू ने सिलीगुड़ी के पास फांसीदेवा में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शायद प्रशासन को उम्मीद थी कि कोई भी शामिल नहीं हो पाएगा. राष्ट्रपति वापस चली जाएंगी.

राष्ट्रपति मुर्मू ने क्या कहा था?

राष्ट्रपति मुर्मू ने ममता बनर्जी को अपनी छोटी बहन बताया. उन्होंने हैरानी जताते हुए पूछा कि क्या वह उनसे नाराज हैं. आम तौर पर यह देखा जाता है कि जब राष्ट्रपति आते हैं तो मुख्यमंत्री और दूसरे अन्य मंत्री मौजूद रहते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री नहीं आईं. मैं भी बंगाल की बेटी हूं. मुझे बंगाल आने की इजाजत नहीं है. ममता दीदी मेरी छोटी बहन जैसी हैं. शायद वह मुझसे नाराज हैं. इसलिए कार्यक्रम इतनी दूर रखा, लेकिन कोई बात नहीं.

ममता बनर्जी ने क्या दिया जवाब?

इधर ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए राष्ट्रपति पर बीजेपी के इशारे पर राजनीति करने का आरोप लगाया. ममता बनर्जी ने कोलकाता में कहा कि बीजेपी इतना नीचे गिर गई है कि वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का इस्तेमाल कर राज्य को बदनाम करने के लिए कर रही हैं. कार्यक्रम में न आने को लेकर ममता बनर्जी ने सफाई भी दी. उन्होंने कहा कि यह उनके लिए मुमकिन नहीं था. खासकर इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक दस्तावेज भी शेयर किया है. इसमें साफ तौर पर लिखा है कि यह योजना सुरक्षा और लॉजिस्टिक की वजह से बनाया गया था. राष्ट्रपति के ऑफिस में इसकी जानकारी दे दी गई थी.

रूसी तेल खरीद को लेकर 30 दिन की छूट पर ट्रंप पर भड़के कमल हासन

नई दिल्ली। अभिनेता और राजनेता कमल हासन ने डोनाल्ड ट्रंप को एक ओपन लेटर लिखकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु देश है और अब किसी दूर बैठे देश से आदेश नहीं लेता. कमल हासन ने यह पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर साझा किया.हासन ने लिखा, 'भारत एक आजाद देश है और किसी भी विदेशी शक्ति से निर्देश लेने का समय अब खत्म हो चुका है.' उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा कि वे अपने काम पर ध्यान दें. उन्होंने कहा कि देशों के बीच आपसी सम्मान ही दुनिया में स्थायी शांति की नींव हो सकता है. चिट्ठी के आखिर में उन्होंने खुद को एक गर्वित भारतीय नागरिक बताया और अपनी पार्टी मक्कल नीधि मैयम के संस्थापक के रूप में हस्ताक्षर किए. कमल हासन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका ने भारत को रूस का तेल खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट देने की घोषणा की है. यह छूट भारतीय रिफाइनरियों को रूस से तेल खरीद जारी रखने की अनुमति देती है. यह घोषणा अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने की. स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और उम्मीद है कि नई दिल्ली भविष्य में अमेरिकी तेल की खरीद भी बढ़ाएगा. यह फैसला ऐसे समय आया है जब मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के कारण ऊर्जा की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है. अमेरिका ने इससे पहले दावा किया था कि भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद बंद करने के लिए सहमत हो गया है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान से आए 163 लोगों को मिली भारत की नागरिकता

उत्तराखंड के उन परिवारों के लिए पिछले कुछ दिन खुशियों की नई सौगात लेकर आए हैं, जिन्होंने दशकों का समय एक अजनबी की पहचान के साथ गुजारा था. नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के लागू होने के बाद, प्रदेश में रह रहे 162 शरणार्थियों के लिए अब अपनी जड़ों से जुड़ने का कानूनी रास्ता साफ हो गया है. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लंबी जांच-पड़ताल के बाद इन सभी के नागरिकता आवेदनों को हरी झंडी दे दी है.

यह केवल कागजों का बदलाव नहीं है, बल्कि उन 156 लोगों के जीवन का एक नया अध्याय है जो वर्षों से भारत को अपना घर तो मानते थे, लेकिन तकनीकी रूप से यहां के नागरिक नहीं थे. इनमें मुख्य रूप से पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हिंदू और सिख परिवार शामिल हैं.

तालिबान के खौफ से शांति की शरण तक

सीमा जागरण मंच के सदस्य कर्नल (सेनि.) अजय कोठियाल के अनुसार, इन लाभार्थियों में 7 ऐसे हिंदू और सिख शामिल हैं जो करीब 34 साल पहले अफगानिस्तान में तालिबान के बढ़ते जुल्मों के कारण अपना घर-बार छोड़कर भारत आए थे. वहीं, 149 शरणार्थी पाकिस्तान से हैं, जिनमें से कई परिवार तो विभाजन की विभीषिका झेलते हुए तभी से उत्तराखंड के अलग-अलग कोनों में बस गए थे.

प्रयासों को मिली सफलता

वर्ष 2020 में बने CAA को इस साल मार्च में देशव्यापी स्तर पर प्रभावी किया गया, जिसके बाद प्रक्रिया में तेजी आई. इन परिवारों को अधिकार दिलाने में 'सीमा जागरण मंच' और 'हिंदू जागरण मंच' जैसे संगठनों ने सेतु का काम किया. स्थानीय स्तर पर दस्तावेजों को जुटाने से लेकर उन्हें गृह मंत्रालय तक पहुंचाने और तकनीकी अड़चनों को दूर करने में इन संगठनों की भूमिका है।

ईरान में खुल सकता है नया मोर्चा? कुर्द बलों की गतिविधियों से बढ़ी हलचल

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अब ईरान के खिलाफ एक नया मोर्चा खुलने की आशंका जताई जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक इराक में मौजूद ईरानी कुर्द सशस्त्र समूह ऐसी यूनिट तैयार कर रहे हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर ईरान के भीतर भेजा जा सकता है. ऐसा कहा जा रहा है कि इस संभावित कार्रवाई को अमेरिका का समर्थन भी मिल सकता है. हालांकि व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि उसने ईरान में कुर्द विद्रोह की किसी योजना को मंजूरी नहीं दी है. फिर भी अमेरिका और कुर्द संगठनों के बीच सहयोग का इतिहास काफी पुराना रहा है. विशेषज्ञों का कहना है कि अतीत में भी अमेरिका ने कई बार कुर्द बलों का समर्थन किया, लेकिन बाद में उन्हें अकेला छोड़ दिया. उदाहरण के तौर पर 1991 के पर्शियन गल्फ युद्ध के बाद अमेरिका ने इराक में कुर्द विद्रोह को प्रोत्साहित किया था, लेकिन बाद में कुर्दों पर हुए हमलों के दौरान हस्तक्षेप नहीं किया.

कहां-कहां रहते हैं कुर्द?

कुर्द लगभग 4 करोड़ लोगों का एक बड़ा जातीय समूह हैं, जो मुख्य रूप से ईरान, इराक, सीरिया और तुर्की में रहते हैं. लंबे समय से वे या तो अपना स्वतंत्र देश चाहते हैं या फिर अधिक स्वायत्तता की मांग करते रहे हैं. इसी कारण उन्हें दुनिया का सबसे बड़ा ऐसा जातीय समुदाय माना जाता है जिसका अपना स्वतंत्र राष्ट्र नहीं है.

प्रथम विश्व युद्ध और ओटोमन साम्राज्य के पतन के बाद कुर्दों को अपना देश देने का वादा किया गया था, लेकिन यह वादा कभी पूरा नहीं हुआ. कई कुर्द इसके लिए 1916 के साइक्स-पिको समझौते को जिम्मेदार मानते हैं, जिसने मध्य पूर्व की सीमाओं को इस तरह बांटा कि कुर्द अलग-अलग देशों में बंट गए. कई देशों में कुर्द समुदाय को लंबे समय तक भेदभाव का सामना करना पड़ा।

JDU में शामिल होते ही नीतीश कुमार से मिले निशांत

बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है. लंबे समय तक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब दिल्ली की ओर चल पड़े हैं तो वहीं उनके बेटे निशांत कुमार आखिरकार सक्रिय राजनीति का हिस्सा हो गए हैं. परिवारवाद से दूर रहने वाले नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने जनता दल यूनाइटेड (JDU) जॉइन कर ली है. पार्टी में आधिकारिक रूप से शामिल होने के बाद निशांत कुमार पिता नीतीश से मिलने पहुंचे और उन्हें मिठाई खिलाकर उनका आशीर्वाद लिया. इसकी पहली तस्वीर भी सामने आ रही है. दरअसल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार रविवार (8 मार्च) को जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल हो गए. उन्होंने कहा कि वह पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे.इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट निशांत कुमार को पार्टी मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा समेत प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में जद(यू) में शामिल किया गया. JDU में शामिल होने के बाद निशांत ने कहा, "मेरे पिता ने राज्यसभा सदस्य बनने का फैसला लिया, यह उनका व्यक्तिगत निर्णय था. हम सभी इसका सम्मान करते हैं. हम उनके मार्गदर्शन में काम करते रहेंगे. मैं संगठन को मजबूत करने के लिए काम करूंगा."

अमेरिका ने भारत से लौट रही ईरानी वॉरशिप को बनाया निशाना

कहां तक है भारत की समुद्री सीमा

मिडिल ईस्ट में बढ़ते टेंशन और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास के संकट के बीच भारत सरकार फारस की खाड़ी में फंसे जहाजों की सुरक्षा के लिए इंडियन नेवी को तैनात करने पर विचार कर रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले पर जल्द ही फैसला लिया जा सकता है. वहीं दूसरी ओर हिंद महासागर में एक अमेरिकी सबमरीन द्वारा भारत से लौट रहे ईरानी वॉरशिप को डुबोए जाने की खबरों ने भी ध्यान खींचा है. इसी बीच लोगों के बीच एक सवाल उठ रहा है कि भारत की समुद्री सीमा कितनी दूर तक फैली है और इंडियन नेवी कानूनी तौर पर कहां तक काम कर सकती है? आइए जानते हैं क्या है इस सवाल का जवाब.

कैसे तय की गई है भारत की समुद्री सीमाएं?

भारत की समुद्री सीमाएं यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ द सी 1982 के मुताबिक तय की गई हैं. ये इंटरनेशनल नियम भारत में टेरिटोरियल वाटर्स, कॉन्टिनेंटल शेल्फ, एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन और दूसरे मैरिटाइम जोन एक्ट 1976 के जरिए लागू किए जाते हैं. इन कानूनों के तहत भारत की समुद्री सीमाओं को कई जोन में बांटा गया है. यह देश के अधिकारों और नेवल डेप्लॉयमेंट के दायरे को तय करते हैं.

कहां तक फैला है टेरिटोरियल वॉटर

पहली और सबसे जरूरी समुद्री सीमा टेरिटोरियल वॉटर है. यह भारत की बेसलाइन से तट के साथ 12 नॉटिकल मील तक फैली हुई है. इस जोन को जमीनी इलाके की तरह ही देश का एक जरूरी हिस्सा माना जाता है. इस इलाके में भारत का समुद्र की सतह, समुद्र तल और यहां तक की इसके ऊपर के एयर स्पेस पर भी पूरा कंट्रोल होता है. भारतीय नेवी और तटीय सुरक्षा एजेंसियों के पास इस इलाके में कानून लागू करने और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने का पूरा अधिकार है. टेरिटोरियल वॉटर के आगे एक जुड़ा हुआ जोन है. यह तट से 24 नॉटिकल मील तक फैला हुआ है. यह इलाका कानून लागू करने के लिए एक बफर जोन के तौर पर काम करता है. हालांकि यह पूरी तरह से सॉवरेन इलाका नहीं है. लेकिन भारत के पास कस्टम, टैक्स, इमीग्रेशन और प्रदूषण कंट्रोल से जुड़े कानूनों को लागू करने का अधिकार है. अधिकारी उन चाहतों के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं जिन पर भारतीय कानूनों का उल्लंघन करने का शक है.

ईरान-इजरायल युद्ध से निवेशक हुए कंगाल

19 लाख करोड़ रुपये का हुआ नुकसान; बाजार में हाहाकार

भारतीय शेयर बाजार में पिछले चार ट्रेडिंग सेशन में आई गिरावट के कारण निवेशकों का तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा है. ईरान-इजरायल के बीच पैदा हुए इस विवाद का लंबा खींचने की उम्मीद ने निवेशकों का भरोसा डगमगाने का काम किया है. आंकड़ों के अनुसार, युद्ध के इस माहौल के बीच बीएसई पर लिस्टेड कंपनी का मार्केट कैप करीब 19 लाख करोड़ रुपये कम हो गया है. क्रूड ऑयल को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है. ईरानी सरकार के होर्मुज स्ट्रेट के बंद करने के फैसले का असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिख रहा है. विषय की समझ रखने वाले जानकारों का कहना है कि, कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल सकती है.....

निवेशकों को हुआ तगड़ा नुकसान

शेयर बाजार में आई तेज गिरावट का सीधा असर निवेशकों की संपत्ति पर पड़ा है. आंकड़ों के मुताबिक बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप करीब 19 लाख करोड़ रुपये घट गया. जिससे निवेशकों को बड़ा वित्तीय झटका लगा है. वैश्विक स्तर पर उत्पन्न हुई इस स्थिति से निवेशकों को तगड़ा नुकसान पहुंचाने का काम किया है.

इन सेक्टरों में सबसे ज्यादा गिरावट

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय घरेलू मार्केट से पीएसयू बैंक, टूरिज्म, एयरलाइन स्टॉक, रियल एस्टेट, बैंकिंग और ऑटो सेक्टर में जोरदार गिरावट देखने को मिली है. कच्चे तेल और गैस सप्लाई में हुई रोक से भारतीय कंपनियों को दोहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है.साथ ही अपनी कमाई के लिए मिडिल ईस्ट देशों पर निर्भर रहने वाली कंपनियों के शेयरों भी टमाटर की तरह लाल हो रहे हैं. हालांकि, इस बीच डिफेंस सेक्टर की कुछ कंपनियों के शेयरों में उछाल दर्ज की गई है.

क्रूड ऑयल महंगा होने से पड़ सकता है व्यापक असर

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक बाजारों में अस्थिरता देखने को मिल रही है. साथ ही कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाने की आशंका जताई जा रही है. ईटी में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, जानकारों का मानना है कि मौजूदा हालात में शेयर बाजार में आई गिरावट को सिर्फ सामान्य करेक्शन नहीं कहा जा सकता. बल्कि यह लंबे समय तक चलने वाली कमजोरी की शुरुआत भी हो सकती है. अगर क्रूड ऑयल के दाम तेजी से बढ़ते हैं तो इसका सीधा असर महंगाई पर पड़ सकता है. जिससे अर्थव्यवस्था के कई अन्य सेक्टर भी प्रभावित होंगे. साथ ही आम लोगों पर महंगाई का खतरा भी बढ़ जाएगा.

Meesho को तगड़ा झटका, मिला 1500 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस

जाना-माना ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो को तगड़ा झटका लगा है. कंपनी को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए करीब 1500 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस भेजा गया है. कंपनी ने 7 मार्च को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी और इस फैसले को चुनौती देने की भी बात कही. कंपनी ने अपने डिस्क्लोजर में कहा कि यह डिमांड इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 143(3) के तहत जारी एक असेसमेंट ऑर्डर और सेक्शन 156 के तहत एक डिमांड नोटिस के जरिए की गई है.

Meesho ने क्या दी सफाई?

फाइलिंग के मुताबिक, टैक्स डिपार्टमेंट ने लागू ब्याज समेत 1,499,73,82,840 रुपये की डिमांड की है. जबकि कंपनी की योजना इस डिमांड नोटिस को चुनौती देना है. कंपनी ने कहा कि वह असेसमेंट ऑर्डर में की गई बातों और एडजस्टमेंट से सहमत नहीं है. कंपनी का मानना है कि उसके पास इसे चैलेंज करने के लिए कई कानूनी और असल वजहें हैं और वह अपने फायदे के खातिर जरूरी कदम उठा रही है. इस बीच कंपनी ने यह भी कहा कि इस ऑर्डर का उसकी फाइनेंशियल हालत, ऑपरेशन या दूसरी एक्टिविटी पर कोई बड़ा बुरा असर नहीं पड़ेगा.

नोटिस की क्या है वजह?

असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए भेजे गए इस नोटिस में आयकर विभाग ने कंपनी पर आय को कम दिखाने का आरोप लगाया है. इसमें टोटल टैक्स अमाउंट 1499.7 करोड़ है, जिसमें ब्याज भी शामिल है. कंपनी ने कहा कि उसे पिछले असेसमेंट ईयर (2022–23) के लिए भी ऐसा ही डिमांड ऑर्डर पहले जारी किया गया था. फाइलिंग के मुताबिक, यह मामला अभी कर्नाटक हाई कोर्ट में लंबित है, जिसने 17 अप्रैल, 2025 को डिमांड नोटिस पर अंतरिम रोक लगा दी थी.

2015 में शुरू हुई कंपनी

2015 में IIT ग्रैजएट्स विदित आत्रे और संजीव बरनवाल ने Meesho की शुरुआत की थी. बेंगलुरु बेस्ट यह कंपनी वैल्यू कॉमर्स और छोटे सेलर्स पर फोकस करने वाला एक मार्केटप्लेस चलाती है, जो ज्यादातर टियर-II और छोटे शहरों के कंज्यूमर्स पर फोकस करती है. कंपनी ने कहा कि वह अपना ऑपरेशन जारी रखते हुए टैक्स डिमांड के खिलाफ कानूनी उपाय करेगी.

माइकल वान ने ICC पर लगाए पक्षपात के आरोप

नई दिल्ली। मिडल ईस्ट में खराब हालातों के कारण कई टीम अब भी भारत में ठहरने को मजबूर हैं. विशेष रूप से वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीम घर नहीं लौट पाई हैं. इसी बीच दिग्गज क्रिकेटर माइकल वॉन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) पर बरस पड़े हैं. उन्होंने आईसीसी पर पक्षपात के आरोप लगाए हैं कि इंग्लैंड टी20 वर्ल्ड कप से बाद में बाहर हुआ, लेकिन उसकी टीम वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले घर लौट चुकी है. वेस्टइंडीज ने अपना आखिरी मैच 1 मार्च को खेला था, जहां सुपर-8 मैच में भारत के खिलाफ हार के बाद वो वर्ल्ड कप से बाहर हो गई थी. वहीं दक्षिण अफ्रीका 4 मार्च और इंग्लैंड की टीम 5 मार्च को वर्ल्ड कप से बाहर हुआ था. शनिवार को आईसीसी ने तीनों टीमों के लिए चार्टर फ्लाइट की व्यवस्था की थी।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हिली ने जीत के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट से ली विदाई

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने जीत के साथ अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर को अलविदा कहा. पर्थ के WACA स्टेडियम में 06 मार्च से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इकलौते टेस्ट की शुरुआत हुई. मुकाबले में तीसरे ही दिन ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत अपने खाते में डाल ली. इस जीत के बाद एक बड़ा ही खास और भावुक पल देखने को मिला. सभी खिलाड़ी मैच समाप्त होने के बाद ड्रेसिंग रूम की तरफ जा रहे थे. इसी बीच एश्ले गार्डनर और एलिस पेरी ने एलिसा हीली को अपने कंधों पर उठाने का फैसला किया. दोनों खिलाड़ी कप्तान को काफी दूर तक अपने कंधे पर बैठाकर ले गईं. इस दौरान तमाम लोग तालियों से उनका अभिनंदन करते दिखे, जिसका वीडियो भी सामने आया.

बता दें कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मल्टी फॉर्मेट सीरीज खेली गई. सबसे पहले तीन मैचों की टी20 सीरीज हुई, जिसमें टीम इंडिया ने 2-1 से जीत अपने खाते में डाली. इसके तीन मैचों की वनडे सीरीज में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीत दर्ज की. अंत में दोनों के बीच इकलौता टेस्ट खेला गया. बात करें एलिसी हीली के अंतर्राष्ट्रीय करियर की, तो उन्होंने 11 टेस्ट, 126 वनडे और 162 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले. टेस्ट में हीली ने 29.52 की औसत से 502 रन बनाए, जिसमें 3 अर्धशतक शामिल रहे. हाई स्कोर 99 का रहा. वनडे में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने 37.02 की औसत से 3777 रन स्कोर किए. उनके बल्ले से 8 शतक और 19 अर्धशतक निकले।

देश भर में बढ़ गई गैस सिलेंडर की कीमत

ईरान और इजरायल के जंग से मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव की वजह से पूरे भारत में घरेलू रसोई गैस की कीमतें बढ़ गई हैं. 14.2 किलो वाले घरेलू LPG सिलेंडर की कीमत 60 रुपये बढ़ी है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर लगभग 115 रुपये महंगे हो गए हैं. यह बदलाव 7 मार्च से लागू होने जा रहा है. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC) के मुताबिक, दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले घरेलू LPG सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपये हो गई है. कीमतों में बढ़ोतरी का यह असर दूसरे बड़े शहरों में भी देखने को मिल रहा है. मुंबई में कीमत बढ़कर 912.50 रुपये हो गई है, जबकि कोलकाता में अब इसकी कीमत लगभग 939 रुपये है. इसी तरह से चेन्नई में बदली हुई कीमत 928.50 रुपये प्रति सिलेंडर है. LPG की कीमतों में बढ़ोतरी की एक बड़ी वजह मिडिल ईस्ट में पनपा तनाव है. ईरान और इजरायल के बीच जंग की वजहें से ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल और गैस की सप्लाई चेन पर असर पड़ने का संकट गहराता जा रहा है. होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का ईरान का फैसला अब दुनिया पर भारी पड़ता नजर आ रहा है क्योंकि दुनिया का लगभग 20-25 परसेंट तेल और गैस इसी रास्ते से होकर गुजरता है. रास्ते को ब्लॉक करने से सऊदी अरब से लेकर यूएई और कुवैत का ऑयल एक्सपोर्ट रुक जाएगा.

RBI की मंजूरी के बाद Yes Bank को मिला नया CEO

प्राइवेट सेक्टर की बैंक यस बैंक ने अपने शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की है. बैंक ने विनय मुरलीधर टोंसे को नया मैनेजिंग डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है. वे 6 अप्रैल 2026 से आधिकारिक रूप से इस पद की जिम्मेदारी संभालने वाले हैं. बैंक की ओर से स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के मुताबिक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है. टोंसे की नियुक्ति तीन साल की अवधि के लिए होगी. बैंक का मानना है कि विनय मुरलीधर टोंसे का लंबा अनुभव और मजबूत नेतृत्व क्षमता यस बैंक के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

आर्थिक सहायता से लेकर रोजगार तक मिलता है लाभ...

महिलाओं के लिए सरकार की हैं खास योजनाएं

नई दिल्ली। हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है. हालांकि, महिलाओं के लिए कोई भी एक दिन उनकी उपलब्धियों और कामयाबियों के लिए काफी नहीं है. आज का दिन महिलाओं की उपलब्धियों और उनके सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता बढ़ाने का मौका जरूर देता है. इसी उद्देश्य से भारत सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं.

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना मध्य प्रदेश सरकार की एक प्रमुख योजना है. जिसका मकसद महिलाओं को आर्थिक सहारा देना है. इसके तहत पात्र महिलाओं के बैंक खाते में हर महीने आर्थिक सहायता भेजी जाती है.शुरुआत में यह राशि 1250 रुपये थी, जिसे अब बढ़ाकर 1500 रुपये कर दिया गया है. इस योजना का लाभ खास तौर पर विवाहित, विधवा और तलाकशुदा महिलाओं को दिया जाता है, ताकि वे आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बन सकें.

लखपति दीदी योजना

लखपति दीदी योजना का मकसद महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना है. इस योजना के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षण और वित्तीय मदद दी जाती है.जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हो सके. योजना का लक्ष्य यह है कि महिलाओं की सालाना कमाई 1 लाख रुपये से ज्यादा हो और साथ ही उन्हे रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें.

सुभद्रा योजना

महिलाओं को आर्थिक रुप से मजबूत करने के लिए ओडिशा सरकार की ओर से सुभद्रा योजना चलाई जाती है. इस योजना के तहत योग्य महिलाओं को हर साल 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है. एक साल में दो किस्तों में सरकार यह राशि महिलाओं को देती हैं. योजना के तहत महिलाओं को अधिकतम 50 हजार रुपये की सहायता मिलती है.

सुकन्या समृद्धि योजना

सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से शुरू की गई एक लोकप्रिय सरकारी बचत योजना है. इसे 22 जनवरी 2015 को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत लॉन्च किया गया था.इस योजना में माता-पिता अपनी 10 साल से कम उम्र की बेटी के नाम से निवेश शुरू कर सकते हैं. लंबे समय में निवेश के साथ अभिभावक एक साथ अच्छा फंड बना सकते हैं. इसमें निवेश पर बेहतर ब्याज दर मिलती है और टैक्स से जुड़ा फायदा भी मिलता है.

साप्ताहिक शहर सत्ता

कांग्रेस-भाजपा की महिला राज्यसभा प्रत्याशियों का निर्वाचन तय

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ से इस बार दोनों ही राजनीतिक दल से महिला उम्मीद्वार को राज्यसभा भेजा जा रहा है। सत्ताधारी दल भाजपा ने जहां ओबीसी से आने वाली लक्ष्मी वर्मा को प्रत्याशी बनाया है तो वहीं कांग्रेस ने वर्तमान सांसद फूलोदेवी नेताम को रिपीट किया है। हालांकि चुनाव की जरूरत नहीं पड़ेगी इसलिए सोमवार को नाम वापसी के अंतिम दिन दोनों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि प्रदेश की महिलाओं में जागरूकता का अभाव है इस पर फोकस होकर काम करूंगी। संसाधनों के सीमित होने के बावजूद क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के आधार पर बेहतर वित्तीय प्रबंधन और प्रभावी कार्यान्वयन उनकी रणनीति में शामिल है। कांग्रेस की फूलोदेवी नेताम ने कहा कि महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहा है।

आपकी सोच बेहतर होगई तो काम करना आसान : लक्ष्मी

मैं हमेशा अपना काम करती रहती हूं। यह पार्टी तय करती है कि किसे क्या जिम्मेदारी मिले। विकास निरंतर प्रक्रिया है। शिक्षा और स्वास्थ्य प्रमुख मुद्दे हैं। पूर्व में डॉ. रमन और अब सीएम साय की सरकार इसी सोच के साथ काम कर रही है। काम करना आसान तभी होता है जब आपकी दिशा-सोच बेहतर हो। चाहे पार्षद हो या जिला पंचायत अध्यक्ष, मैंने हर जिम्मेदारी निभाई है। नियम के अनुसार हमें कोई विशेष जिला या संभाग चुनना होता है। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद बैठकर तय करेंगे। सांसद निधि (फंड)लिए नियम हैं। क्षेत्र की प्राथमिकताओं के आधार पर सीमित संसाधनों में बेहतर प्रबंधन कर काम किया जाएगा।

मुझसे बेहतर और कोई नहीं जनता बस्तर के हालात : फूलोदेवी

चुनौतियों का सामना करना ही हमारा काम है। हमें हर चुनौती स्वीकार है और हम अपनी मांगों और बातों को मजबूती से रखते हैं। नक्सलवाद पर बोलीं, वहां की स्थिति के बारे में मैं सबसे बेहतर जानती हूं और मुद्दों को प्रमुखता से रखूंगी। परिस्थितियों के अनुसार मुद्दे तय होंगे। हम सड़क से लेकर सदन तक अपनी लड़ाई जारी रखेंगे जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती। क्षेत्र के लोगों और कार्यकर्ताओं के बीच जाकर, जरूरत और गाइडलाइन पर काम करेंगे। फंड सीमित है, जहां जरूरत ज्यादा है वहां प्राथमिकता दी जाएगी। वैसे भी मैं पद मिलने या न मिलने पर ज्यादा नहीं सोचती। मैं सिर्फ काम पर भरोसा करती हूं।

प्रदेश के सभी नगर निगम सीटों पर चुनाव लड़ेगी AAP

शहर सत्ता/रायपुर। आम आदमी पार्टी ने छत्तीसगढ़ में आगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर तैयारी तेज कर दी है। पार्टी ने घोषणा की है कि प्रदेश के सभी नगर निगम सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। इसके लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति बनाई जा रही है। रायपुर में आयोजित संगठनात्मक बैठक में दिल्ली के पूर्व मंत्री और छत्तीसगढ़ के सहप्रभारी मुकेश अहलावत ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का जनाधार छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में तेजी से बढ़ रहा है और पार्टी आने वाले सभी चुनाव पूरी ताकत से लड़ेगी। अहलावत ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के आरोप मुक्त होने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह आया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी शुरू से ही इमानदार राजनीति की बात करती रही है और शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली तथा रोजगार जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देती आई है। बैठक में पार्टी नेताओं को निर्देश दिया गया कि बूथ स्तर से लेकर विधानसभा, जिला और लोकसभा स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाए। साथ ही आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा और नगरीय निकाय चुनावों की तैयारी पर भी चर्चा की गई। अहलावत ने कार्यकर्ताओं को प्रदेश में चल रही "छत्तीसगढ़ बचाओ यात्रा" और "किसान न्याय जनसभा" कार्यक्रम को लेकर भी मार्गदर्शन दिया और इसे गांव-गांव तक पहुंचाने की अपील की।

भाजपा के संरक्षण में फल फूल रहा नशे का कारोबार : कांग्रेस

भाजपा का प्रभावशाली नेता अफीम की खेती कर रहा

शहर सत्ता/रायपुर। भाजपा सरकार नशे के कारोबार का संरक्षण बनी हुई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि दुर्ग के समोदा में भाजपा नेता द्वारा अफीम की खेती कराया जाना साबित करता है कि भाजपा सरकार नशे की कारोबार को बढ़ावा दे रही है। बिना सरकार के संरक्षण के यह संभव ही नही की कोई छत्तीसगढ़ जैसी राज्य में अफीम की खेती करने का साहस कर सके।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार और पुलिस की मिलीभगत के कारण ही प्रदेश के युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे है। पिछले दो साल में शराब, गांजा, अफीम, हिरोईन जैसे नशों के कारण प्रदेश की युवा पीढ़ी में नशे की लत महामारी का रूप ले चुकी है। चंद पैसों के लिए सत्तासीन लोग नशे के बढ़ते कारोबार को रोकने के बजाय संरक्षण दे रहे है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बड़ी संख्या में ड्रग्स पकड़ा गया तब दावा किया गया कि पाकिस्तान से ड्रग रायपुर तक आता था। इस ड्रग के कारोबार को संरक्षण कौन दे रहा था? पाकिस्तान से छत्तीसगढ़ तक ड्रग कैसे पहुंच रहा था? राज्य में ड्रग के कारोबार किसके संरक्षण में फला-फूला? कांग्रेस की सरकार थी तब नशे के कारोबार को पूरी तरीके से समाप्त कर दिया गया था। दो साल में फिर से पूरा प्रदेश नशे की गिरफ्त में आ गया है। बिना सत्ता के संरक्षण के ड्रग राजधानी में खुलेआम नहीं बिक सकता, राज्य में भाजपा की 2 साल से सरकार है। कौन सत्ताधीश इसके पीछे है इसका भी खुलासा होना चाहिए?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा के राज में छत्तीसगढ़ नशे के मामले में पंजाब, गुजरात और पश्चिम बंगाल को पीछे छोड़ चुका है। रायपुर के नया राजधानी और वीआईपी रोड जैसे इलाकों में शाम ढलते ही युवा नशे की गिरफ्त में साफ देखे जा सकते है। आऊट के कैफे तो युवाओं को नशा परोसने का केंद्र बन चुका है। पुलिस इसको रोकने के बजाय सहयोगी बनी हुई है। कांग्रेस की सरकार थी तब वर्षों से चल रहे हुक्काबारो को बंद करवाया था, राज्य में सूखे नशे के कारोबार को पूरी तरह समाप्त किया गया था। भाजपा की सरकार बनने के बाद एक बार फिर से नशे का कारोबार शुरू हो गया है।

कांग्रेस का तंज; भाजपा नेता ने पीएससी में गड़बड़ी का लगाया सरकार पर आरोप

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर बोले सुशासन पर भरोसा नही

शहर सत्ता/रायपुर। भाजपा नेता को अपने सरकार पर भरोसा नहीपीएससी में हुई बॉयलर निरीक्षक भर्ती की गड़बड़ी की शिकायत राज्यपाल से करने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुऐ प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा भाजपा नेता ने पीएससी में बॉयलर कि भर्ती में गड़बड़ी का आरोप लगाकर राज्यपाल से जांच की मांग की इससे स्पष्ट है पीएससी में गड़बड़ी सरकार के संरक्षण में हुआ। भाजपा नेता को अपने सरकार पर भरोसा नही है। भाजपा सरकार ने पीएससी में रिटायर्ड आईएएस रीता शांडिल्य को पहले कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया फिर पूर्णकालिक अध्यक्ष बना दिया। अब भाजपा के नेता ही अपने सरकार में नियुक्त पीएससी के जरिये हुई बॉयलर निरीक्षक की भर्ती पर गड़बड़ी का आरोप लगा रहे है। सरकार की कार्यशैली पर संदेह व्यक्त कर रहे है। ये गम्भीर आरोप है इसकी जांच होनी चाहिये। उद्योग विभाग के बॉयलर निरीक्षक की भर्ती में उम्र सीमा में छूट देने का फैसला अध्यक्ष का है। इसमें सदस्यों की कोई भूमिका नही होती। ऐसे में भाजपा नेता के आरोप के बाद सरकार को पीएससी अध्यक्ष को तत्काल पद से हटा देना चाहिए। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वैसे भी भाजपा ने पीएससी की छवि खराब करने पहले ही अप्रमाणित आरोप लगाए है अब फिर एक बार पीएससी की विश्वनीयता को लेकर भाजपा नेता सवाल खड़ा कर रहे है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता पीएससी सदस्य को सन्देह के दायरे में है कहते हैं, दुसरी तरफ बीजेपी सरकार सेवानिवृत्ति आईएएस अधिकारी सुश्री रीता शांडिल्य उनके स्थान पर कार्यकारी अध्यक्ष, फिर पूर्णकालिक अध्यक्ष नियुक्ति कर्ता है तो क्या बीजेपी नेता सरकार के निर्णय का विरोध कर रहे हैं?भाजपा नेता पीएससी में लिए जाने वाले निर्णय के लिए कांग्रेस शासन में नियुक्त सदस्यों को जिम्मेदार बताते हैं तो क्या वो अपनी ही सरकार द्वारा नियुक्ति पीएससी अध्यक्ष को सक्षम नहीं मानते? प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा नेता ने अपने सरकार के द्वारा नियुक्त पीएससी अध्यक्ष के कार्यकाल में हुई भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठाकर भाजपा सरकार में भर्ती प्रक्रिया में हो रहे लेन देन की पोल खोल दी है। अब भाजपा सरकार को भर्ती की जांच कराकर कड़ी कार्यवाही करना चाहिये।

बालोद, केशकाल गैंगरेप सरकार के माथे पर कलंक

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश में एक दिन के अंदर दो-दो गैंगरेप की घटनाये चिंता का विषय है। यह घटना सरकार के माथे पर कलंक है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है, महिलाये असुरक्षित हो गयी है। बालोद जिले के दल्लीराजहरा में एक नाबालिक लड़की से सामूहिक दुराचार के बाद पीड़िता का वीडियो बनाकर प्रचारित करने का दुस्साहस आरोपियो ने किया। इसी प्रकार केशकाल में भी एक 19 वर्षिय युवती के साथ गैंगरेप की घटना हो गयी। इस युवती के घर में घुसकर गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया। यह घटनाये बताती है कि प्रदेश में महिलाये अपने घरों अपने गांव में भी सुरक्षित नहीं है। साय सरकार महिलाओं को जीवन जीने के लिये सुरक्षित वातावरण देने में नाकामयाब हो गयी है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा की सरकार छत्तीसगढ़ की बहन बेटियों को भय मुक्त वातावरण देने में पूरी तरह नाकाम हो चुकी है। विगत दो वर्ष भीतर ही प्रदेश में दुष्कर्म के 6191 प्रकरण दर्ज किए गए।

छत्तीसगढ़ में 'ब्रांड के अंदर ब्रांड'

पूर्व CM बघेल का आरोप- भाजपा राज में चल रहा है नया शराब सिंडिकेट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शराब को लेकर जारी सियासत ने अब एक नया और चौंकाने वाला मोड़ ले लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर एक सनसनीखेज वीडियो साझा करते हुए साय सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। बघेल का दावा है कि प्रदेश में 'स्टीकर बदलू' खेल के जरिए करोड़ों का नया शराब घोटाला किया जा रहा है, जिसमें न केवल राजस्व की चोरी हो रही है, बल्कि जनता की सेहत के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है।

क्या है पूरा मामला?

राजनांदगांव से शुरू हुए इस कथित खुलासे में एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बियर के कैन पर धोखाधड़ी की परतें खुलती दिख रही हैं। वीडियो में दिख रहा है कि "7 Hills" ब्रांड के स्टीकर के नीचे "Golden Bird" ब्रांड की बियर छिपी हुई है। आरोप है कि कम कीमत वाली बियर पर महंगे ब्रांड का लेबल लगाकर उसे सरकारी दुकानों के माध्यम से खपाया जा रहा है। वीडियो में दावा किया गया है कि केन पर अंकित एक्सपायरी डेट को मिटा दिया गया है। जब स्टीकर हटाया गया, तो अंदर की बियर की मियाद (Expiry) खत्म हो चुकी थी।

बघेल का सीधा हमला: "कौन है इस गिरोह का सरगना?"

भूपेश बघेल ने इस मामले को लेकर सरकार पर तीखे सवाल दागे हैं। उन्होंने 'X' पर लिखा कि छत्तीसगढ़ में "भाजपा का शराब सिंडिकेट" सक्रिय है। उन्होंने गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रभाव वाले क्षेत्र राजनांदगांव से इसकी शुरुआत होने पर भी सवाल उठाए।

नया सियासी एंगल: सेहत और राजस्व पर दोहरी मार

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह मामला केवल भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं है। इसके दो बड़े पहलू सामने आ रहे हैं। एक्सपायर्ड शराब की बिक्री सीधे तौर पर लोगों की जान जोखिम में डालने वाला मामला है। आबकारी विभाग की मौजूदगी में ब्रांड की अदला-बदली बिना किसी बड़े सिंडिकेट के संभव नहीं लगती। इस वीडियो के वायरल होने के बाद आबकारी विभाग और सत्ता पक्ष की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि, विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाकर प्रदेश भर में घेरने की तैयारी कर ली है। सवाल यह उठता है कि क्या सरकारी दुकानों में बिकने वाली शराब की जांच के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाएंगे?

नक्सल प्रभावित क्षेत्र भैरमगढ़ के अंकित सकनी ने रचा इतिहास

- यूपीएससी 2025 में 816वीं रैंक की हासिल
- पढ़ाई के लिए दी गई थी एक लाख रुपए की सहायता

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र भैरमगढ़ के निवासी अंकित सकनी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा 2025 में 816वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र और राज्य का नाम रोशन किया है। सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने परिश्रम, धैर्य और संकल्प के बल पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्री रामविचार नेताम और विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने अंकित के इस सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री बोरा ने चर्चा के दौरान बताया कि 24 वर्षीय अंकित सकनी का जन्म 04 जुलाई 2001 को ग्राम गुडमा, तहसील कुतु, जिला बीजापुर में हुआ। उनके पिता का नाम चंद्रिया सकनी तथा माता का नाम जमुना सकनी है। प्रारंभिक शिक्षा उन्होंने सरस्वती शिशु मंदिर भैरमगढ़ में कक्षा 1 से 5 तक प्राप्त की। इसके बाद कक्षा 6 से 8 तक अलोंस पब्लिक स्कूल तथा कक्षा 9 से 12 तक कृष्णा पब्लिक स्कूल रायपुर में अध्ययन किया, जहां उनका चयन विभाग की जवाहर उत्कर्ष योजना के अंतर्गत हुआ था। आगे की पढ़ाई उन्होंने भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बीटेक (2018-2022) के रूप में पूरी की।

स्नातक के बाद वर्ष 2022 से अंकित लगातार यूपीएससी की तैयारी में जुटे रहे। उन्हें यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विभाग द्वारा उन्हें एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई थी। इस आर्थिक सहयोग ने उन्हें मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी में महत्वपूर्ण सहायता दी, जिसका परिणाम अब अंतिम चयन के रूप में सामने आया है।

धमतरी को मखाना हब बनाने की दिशा में पहल

शहर सत्ता/रायपुर। धमतरी जिले के नगरी वनांचल क्षेत्र में आजीविका संवर्धन की दिशा में एक नई पहल के तहत मखाना खेती की तैयारी स्व-सहायता समूहों के माध्यम से प्रारंभ की गई है। जिले में कुल 100 एकड़ भूमि मखाना उत्पादन के लिए चिन्हांकित की गई है। प्रारंभिक चरण में संकरा क्षेत्र में 25 एकड़ रकबे में मखाना की खेती की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार नगरी क्षेत्र की जलवायु, पर्याप्त जल उपलब्धता एवं प्राकृतिक वातावरण मखाना उत्पादन के लिए अनुकूल है। इससे स्थानीय किसानों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त होंगे। इस पहल से वनांचल क्षेत्र में कृषि विविधीकरण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मखाना एक ऐसा पौधा है जो तालाबों, दलदलों और आर्द्रभूमि जैसे स्थिर जल निकायों में उगाया जाता है। इसका प्रसार बीजों द्वारा होता है और अंकुरण के लिए पूर्णतः परिपक्व बीजों की आवश्यकता होती है। मखाना की खेती में न्यूनतम खर्च आता है क्योंकि पिछले फसल से बचे हुए बीजों से नए पौधे आसानी से अंकुरित हो जाते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर होने और नकदी फसल के रूप में किसानों की आय को दोगुना करने की अपार क्षमता को देखते मिलता है। मखाना खेती से धमतरी की ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक तस्वीर बदलेगी।

एक साल में 7 गांव से 70 गांवों तक पहुंची ड्रोन दीदी चंद्रकली

शहर सत्ता/रायपुर। सुबह का समय, खेतों के ऊपर हल्की धूप और आसमान में उड़ता एक ड्रोन। कुछ ही मिनटों में पूरा खेत कीटनाशक से सुरक्षित हो जाता है। खेत के किनारे खड़ी एक महिला रिमोट से ड्रोन को नियंत्रित कर रही होती है। यह कोई फिल्मी दृश्य नहीं, बल्कि रायपुर जिले के आरंग विकासखंड के ग्राम नगपुरा की ड्रोन दीदी चंद्रकली वर्मा की रोज़मर्रा की जिंदगी है।

नवंबर 2023 में नमो ड्रोन दीदी योजना से जुड़ने के बाद श्रीमती चंद्रकली आज आधुनिक तकनीक के सहारे 40 किलोमीटर के दायरे में 70 गांवों के किसानों की मदद कर रही हैं और हर सीजन में लगभग डेढ़ लाख रुपए तक अर्जित कर रही हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद श्रीमती चंद्रकली ने दिसंबर 2023 में ड्रोन संचालन की शुरुआत की थी। शुरुआत में उन्होंने अपने गांव और आसपास के कुछ खेतों में ही काम किया, लेकिन उनकी मेहनत और दक्षता की चर्चा जल्द ही आसपास के गांवों तक फैल गई। किसानों ने देखा कि जहां पहले घंटों लगते थे, वहीं ड्रोन से सिर्फ 10 मिनट में एक एकड़ खेत में कीटनाशक का छिड़काव हो जाता है। इससे समय की बचत होती है, श्रम कम लगता है और दवा का उपयोग भी सटीक मात्रा में होता है। धीरे-धीरे काम इतना बढ़ गया कि आज चंद्रकली दीदी करीब 40 किलोमीटर के क्षेत्र में 70 गांवों में अपनी सेवा दे रही हैं। खरीफ और रबी सीजन के दौरान किसानों की मांग को देखते हुए उन्हें दो शिफ्ट में काम करना पड़ता है। एक खेत से दूसरे खेत तक उनका ड्रोन लगातार उड़ान भरता रहता है।

ड्रोन से छिड़काव के लिए उन्हें प्रति एकड़ लगभग 300 रुपए मिलते हैं। बढ़ते काम और बड़े क्षेत्र में सेवाएं देने के कारण अब वो आसानी से सीजन में डेढ़ लाख रुपये तक कमा रही हैं। बढ़ते काम को व्यवस्थित ढंग से संभालने के लिए उन्होंने अपने साथ तीन लोगों को रोजगार भी दिया है, जो ड्रोन संचालन, दवा की तैयारी और खेतों में समन्वय का काम संभालते हैं।

पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने की पहल

जिला पुरातत्त्वीय संघों के गठन पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश की पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और जनभागीदारी को सुदृढ़ बनाने की दिशा में संस्कृति विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देश पर संस्कृति विभाग अंतर्गत पुरातत्त्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय, रायपुर द्वारा "जिला पुरातत्त्वीय संघों के निर्माण एवं कार्यविधियाँ" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 07 से 09 मार्च 2026 तक महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय, सिविल लाइन्स, रायपुर में आयोजित है।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिलों में जिला पुरातत्त्वीय संघों के गठन, उनके कार्य एवं दायित्वों को स्पष्ट करना तथा पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना है। इस आयोजन के माध्यम से जिला स्तर पर पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचा तैयार करने और स्थानीय स्तर पर जनसहभागिता को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यशाला के दौरान पुरातत्त्व, संग्रहालय प्रबंधन तथा विरासत संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जा रहा है।

इन सत्रों में जिला पुरातत्त्वीय संघों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रथम तकनीकी सत्र में "संग्रहालयों के संचालन में जिला पुरातत्त्वीय संघों की भूमिका" विषय पर मुख्य व्याख्यान प्रो. आर. एन. विश्वकर्मा, सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व, इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में महिलाएं निभा रहीं महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

रायपुर/ बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके योगदान को सम्मानपूर्वक स्मरण किया जा रहा है। आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी दक्षता, प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर रेलवे के सुचारु एवं सुरक्षित संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में महिलाएँ विभिन्न परिचालन, तकनीकी, प्रशासनिक तथा सेवा क्षेत्रों में अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। रेल संचालन जैसे चुनौतीपूर्ण कार्य में महिलाएँ लोको पायलट के रूप में ट्रेनों का संचालन कर रही हैं, वहीं ट्रेन मैनेजर के रूप में सम्पूर्ण ट्रेन के सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन की जिम्मेदारी निभा रही हैं। इसके अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ, इंजीनियर, ट्रैक मेंटेनर जैसे तकनीकी क्षेत्रों में भी

महिलाएँ सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिसंपत्तियों की संरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में भी महिला अधिकारी एवं जवान पूरी तत्परता के साथ अपनी सेवाएँ दे रही हैं। स्टेशन परिसरों, ट्रेनों तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अस्पतालों और स्वास्थ्य इकाइयों में कार्यरत महिला डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ भी रेलकर्मियों एवं यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इतिहास में यह भी गौरवपूर्ण तथ्य है कि संगठन के सर्वोच्च पद महाप्रबंधक के रूप में भी एक महिला सफलतापूर्वक अपनी सेवाएँ दे चुकी हैं, जो रेलवे में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व क्षमता का सशक्त उदाहरण है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपनी सभी महिला कर्मचारियों के समर्पण, परिश्रम और उपलब्धियों को नमन करता है। उनका योगदान न केवल संगठन को सशक्त बना रहा है, बल्कि समाज में महिलाओं की क्षमता और नेतृत्व की नई मिसाल भी स्थापित कर रहा है।

'पीकू' से 'हक' तक

पर्दे पर इन सात महिला किरदारों ने किया धमाल

वुमेन्स डे के खास मौके पर हम लेकर आए हैं ऐसी फिल्मों की लिस्ट, जिनमें हीरोइन के किरदार ने सबको चौका दिया था और दिखाया था कि महिलाओं की ताकत क्या होती है. वुमेन्स डे 2026 के मौके पर हम बॉलीवुड की कुछ दमदार हीरोइनों को याद कर रहे हैं, जिन्होंने पर्दे पर अपने किरदार से सबको प्रेरित किया. 'पीकू' से लेकर 'हक' तक, इन फिल्मों में महिलाओं के किरदार ने सिर्फ कहानी नहीं बदली, बल्कि सोच को भी हिला दिया. ये हीरोइन अपने हिम्मत, जज्बा और आत्मविश्वास से नई मिसाल पेश करती हैं. आइए देखें उन 7 किरदारों की लिस्ट जिन्होंने स्क्रीन पर धमाल मचाया.

'पीकू'

'पीकू' में दीपिका पादुकोण पीकू का किरदार निभाती नजर आई थीं. वो एक मजबूत और इंडिपेटडेंट महिला हैं, जो अपने काम के साथ-साथ अपने बीमार पिता की भी देखभाल करती हैं. फिल्म में पिता-बेटी के रिश्ते के साथ-साथ एक औरत की रोजमर्रा की मुश्किलें और हिम्मत भी दिखाई गई हैं.

'बुलबुल

तृप्ति डिमरी ने 'बुलबुल' में अपने दमदार किरदार से हीरोइन की नई पहचान दी. 'बुलबुल' में वो एक रहस्यमयी महिला हैं, जो अपने गांव की परेशान महिलाओं के लिए न्याय की मिसाल बनती हैं.

हक

2025 की फिल्म 'हक' में यामी गौतम ने शाजिया बानो का किरदार निभाया, एक ऐसी महिला जिसका तीन तलाक के जरिए तलाक हो जाता है और उसके बाद अपने कानूनी हक के लिए वो लड़ती है. फिल्म दिखाती है कैसे उसकी निजी लड़ाई धीरे-धीरे एक बड़े राष्ट्रीय चर्चा में बदल जाती है, जहां सवाल उठते हैं आस्था, न्याय

लापता लेडीज

प्रतिभा रांटा ने 'लापता लेडीज' से खूब पहचान बनाई, जिसमें वो एक छोटे शहर की लड़की का किरदार निभाती हैं, जो शादी की परंपरा में बंधने के बजाय अपने सपनों को पूरा करना चाहती है.

'मर्दानी'

'मर्दानी' में रानी मुखर्जी शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाती हैं, एक निडर क्राइम ब्रांच अफसर जो मानव तस्करी के खिलाफ लड़ती हैं. उनकी हिम्मत और दमदार अंदाज ने इसे बॉलीवुड की सबसे यादगार महिला पुलिस अफसरों में से एक बना दिया.

'गंगूबाई काठियावाड़ी'

'गंगूबाई काठियावाड़ी' में आलिया भट्ट गंगूबाई का किरदार निभाती हैं, एक महिला जो कमजोर से मजबूत होकर कमाठीपुरा की ताकतवर नेता बनती है. उनकी कहानी दिखाती है हिम्मत, साहस और महिलाओं के हक और सम्मान के लिए उनकी लड़ाई.

क्वीन

'क्वीन' में कंगना रनौत रानी मेहरा का किरदार निभाती हैं, एक युवा महिला जो अपने मंगेतर के शादी कैंसिल करने के बाद सोलो हनीमून पर निकल पड़ती है. जहां शुरुआत दिल टूटने से होती है, वहीं यह सफर खुद को जानने, स्वतंत्र बनाने में बदल जाता है.

वुमेन्स डे पर सेलेब्स ने दी शुभकामनाएं

- हुमा कुरैशी से करीना कपूर तक ने किया पोस्ट

8 मार्च को पूरी दुनिया में इंटरनेशनल वुमेन्स डे सेलिब्रेट किया जा रहा है. इस खास मौके पर आम लोगों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक हर कोई महिलाओं की ताकत और उनके योगदान को याद कर रहा है. कई सितारों ने सोशल मीडिया पर खास तस्वीरें और पोस्ट कर महिलाओं को शुभकामनाएं दी हैं. आइए देखते हैं कि सेलेब्स किस तरह इस खास दिन को सेलिब्रेट कर रहे हैं और क्या मेसेज दे रहे हैं.

हुमा कुरैशी

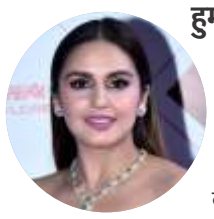

हुमा कुरैशी ने अपनी कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा है 'उस महिला के लिए जिसने स्क्रीन पर मेरी कहानियों को आकार दिया, और स्क्रीन के बाहर मेरी जिंदगी को प्रेरणा दी. महिला दिवस की शुभकामनाएं.'

अनुपम खेर

दिग्गज एक्टर अनुपम खेर ने महिला दिवस के मौके पर ANI से कहा 'महिला दिवस पर दुनिया की सभी महिलाओं को मेरा दिल से सलाम. मेरा सच में मानना है कि जिसके पास किसी और जिंदगी को जन्म देने की ताकत है, वो सबसे महान है. वो एक महिला है.'

ट्विंकल खन्ना

ट्विंकल खन्ना ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है. इसके साथ उन्होंने महिला दिवस पर लिखा हुआ अपना लेख शेयर किया है. पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा है 'मुझे बताओ, तुमने आखिरी बार अपनी मां को कब बताया था कि वह तुम्हारे लिए कितनी मायने रखती हैं?'

हेमा मालिनी

हेमा मालिनी ने वुमेन्स डे के मौके पर महिलाओं के नाम खास मेसेज दिया. उन्होंने लिखा कि हर महिला अपने आप में खास और अनोखी होती है, चाहे वो घर संभालने वाली हो, इंटरप्रेन्योर हो या काम और परिवार के बीच संतुलन बनाने वाली एक सफल प्रोफेशनल.हेमा मालिनी ने सभी महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे जहां भी हों, अपनी काबिलियत और ताकत को पहचानें. उन्होंने ये भी कहा कि हर महिला भगवान की बनाई एक खास रचना है और उसे अपनी शर्तों पर जिंदगी जीना सीखना चाहिए और जीवन का आनंद लेना चाहिए.

अजय देवगन

अजय देवगन ने भी सोशल मीडिया पर एक खास तस्वीर पोस्ट की है. उन्होंने अपने परिवार की सभी महिलाओं की फोटो शेयर की और लिखा, 'ये सिंघम इन शेरनी के बिना कुछ नहीं.'

बाबिल खान

बाबिल खान ने भी अपनी मां की तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा है 'पहली सबसे अच्छी दोस्त, पहला संपर्क, पहली महिला जिसने मिसाल कायम की, आने वाली सभी महिलाओं के लिए. मेरी मां. मेरे लिए. हैप्पी वुमन्स डे.'

फागुन माह का आकर्षक लयबद्ध : डंडा नाच

गोविंद धनगर

प्राचीन कला परंपरा न सिर्फ धरोहर है बल्कि वर्तमान में समकालीन कला जगत व समाज को समझने सहजने का माध्यम है।

लोक नृत्य गीत, कथाएं कहावतें हाना, जनऊला व अन्य जन श्रुति युगों से सांस्कृतिक परंपरा को संरक्षित करती है। लोक कला की परंपरा ज्ञान, इतिहास, जीवन मूल्यों व सामाजिक अनुभव के संचार का माध्यम रहा है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी चेतना को जीवित रखता है। पारंपरिक लोक परंपरा में भिन्न-भिन्न विधा है, जो बिना ताम झाम व दिखावे के अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं। हमारे छत्तीसगढ़ का डंडा नित्य भी लोक कला का अभिन्न हिस्सा है, जिसे रहस के नाम से सामूहिक नृत्य से जाने जाते हैं। जो लोग जीवन से जुड़ा है। ठेही के साथ धारा प्रवाह पारंपरिक गीत व भजन दोहा आदि का समावेश होता है। समय, दूरी, डंडे की सामूहिक आवाज एक निर्धारित लय, वेशभूषा के साथ सुसज्जित होता है। ग्रामीण अंचल में युवा वर्ग व बड़े बुजुर्ग की भागीदारी उत्साह पूर्वक देखने को मिलती है। जो लोककला व सांस्कृतिक चेतना की दृष्टि से प्रतिष्ठित विधा है। जिसमें खेल, गीत, लय, समय सीमा व शारीरिक मानसिक व्यायाम का संगम झलकता है, रहस नृत्य में पात्र की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। नृत्य में कुछ पारंगत कलाकार होते हैं। जिनकी पैरों की चाल, डंडों से स्पष्ट आवाज व शारीरिक लचक में अच्छी पकड़ होती है। फागुन माह से प्रारंभ रंग पंचमी, रंग तेरस तक गांव की गली मोहल्ले बस्तियों में डंडा नृत्य का अपना अलग ही उत्सव देखा जाता है, जो ग्रामीणों को संगठित रखने योगदान व सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देता है पिछले दो ढाई दशकों से यह वातावरण कम सा हो गया है,

एक समय था यह नृत्य मनोरंजन व प्रभावशाली होता था। आज तकनीकी के दौर में इलेक्ट्रॉनिकवाद्य यंत्र का उपयोग सोशल मीडिया, प्लेटफॉर्म संगीत सृजित रोजगारोन्मुखी स्वरूप का तेजी से आगे आना। हम कम खर्च कम संसाधन वाले पारंपरिक कलाओं के महत्व को अनदेखा कर भूलते जा रहे हैं, जो रफ्तार व विकसित छत्तीसगढ़ और लोक कला जगत के लिए शुभसंकेत नहीं है।

होली में भाईचारा और सद्भावना का संदेश

डा. राघवेंद्र कुमार 'राज'

छतीसगढ़ की पवित्र वसुंधरा ने न केबल दिव्य रत्नों को जन्म दी है वरन बहुजन हिताय की सूक्तिवाच्यों को आत्मसात किया है। तभी तो यहां की लोकधारा गा उठती है। करता पहुनाई जन-जन का, जहां आआँखों का पानी। किशन के प्रेम रंगों में भीगती जहां राधा दीवानी। सनातन धर्म में होलिका पूजन का विशेष महत्व है।

जो सुख-सौभाग्य प्राप्ति का माध्यम भी है। जहां वसुधैव कुटुम्बकम् की पवित्र भावना फलीभूत होती हुई दृष्टिगोचर होती है। छत्तीसगढ़ में होलिका पूजन की अपनी अनूठी परम्परा और मान्यताएं विद्यमान है। जो कहीं न कहीं निश्चित रूप से 'सर्वेभवन्तु सुखिनः' की पवित्र भावना से अनुप्राणित -सा लगता है। होलिका पूजन में जो यज्ञाहुतियां दी जाती हैं। उसके पीछे भी लोक धारणाएं और प्राचीन मान्यताएं हैं। जैसे घी और सरसों तेल के दिये जलाना, सात गेहूं की वालियां और सात सफेद सूत के (धागे), हल्दी का तिलक, रोली, सिन्दूर, श्रीफल, लौंग, कपूर, काले तिल के दाने, राई, गाय के गोबर की उपलें (कंडा या छेना), चांवल, दही, हलुवा, मालपुवा और अरंड (अंडा) पेड़ की टहनी गाड़ना आदि। ऐसा मानना है कि सरसों तेल के दिये जलाने से भगवान काल भैरव का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सात गेहूं की बालियां सप्ताह में सात दिन, विवाह में सात फेरे और सात अंक शुभ के प्रतीक माने गए हैं। सात कच्चे सफेद सूत का संबंध शनि ग्रह से है। इसके अर्पण से शनिदोष से मुक्ति मिलती है। उपलों को सात धागों से बांधने से बुरी शक्तियां बंध जाती हैं। सात पान के पत्ते चाहे अरंड या कपूरी पान के हो। इसके अग्निहोत्र से परिवार में सुख, शांति, समृद्धि, और उन्नति की प्राप्ति होती है। लौंग और कपूर की आहुतियों से सुख शांति, धनवृद्धि, घर में बरकत और पितु व देवदोषों के अलावा कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। काले तिल के दाने, नमक व राई से बाधाएं दूर पुण्य की प्राप्ति होती है। नारियल अर्पण से दृष्टिदोम, शारीरिक और मानसिक समस्याओं का निवारण होता है। होली की भस्म मस्तक पर धारण करने से राहु-केतु की महादशा से मुक्ति, पारिवारिक क्लेश और विवाद का अंत व वास्तुदोष का निवारण होता है। गाय के गोबर की उपले नकारात्मक शक्तियों, घरेलू परेशानियों को दूर कर वातावरण को शुद्धता प्रदान करती है।

फाग गीतों में प्रमुख वाद्य नगाड़ा

डा. गीतेश कुमार अमरोहित

पारंपरिक वाद्य यंत्र नगाड़ा मूल रूप से मध्य पूर्व से आया, लेकिन बाद में यह भारत में लोकप्रिय हुआ। नगाड़ा अरबी भाषा के शब्द नक्र से आया जिसका अर्थ होता है मारना या पीटना। प्राचीन और मध्यकाल में नगाड़े का उपयोग युद्ध के मैदान में सैनिकों का जोश बढ़ाने और घोषणाएं करने के लिए किया जाता था। इसे विजय के प्रतीक रूप में भी बजाया जाता था। छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों में फाग गीत और होलिका दहन के अवसर पर इसे बजाया जाता है। वहीं बस्तर अंचल के आदिवासी महोत्सवों का यह प्रमुख वाद्य यंत्र है। यह घन, ताल वाद्य यंत्र है। संस्कृत में इसे दुन्दुभि कहते हैं। यह नौ वाद्यों में से एक है।

नगाड़ा बनाने की विधि पारंपरिक शिल्प पर आधारित है, जिसमें मिट्टी, चमड़े और लकड़ी का उपयोग होता है। बनाने की प्रक्रिया में एक से डेढ़ माह लग जाते हैं। चिकनी मिट्टी को साफ कर गूंथा जाता है। चाक पर गोल हांडी बनाकर छांव में सुखा देते हैं। फिर इसे भट्टी में गोबर लकड़ी से पकाते हैं। खाल को साफ कर पानी में नरम होने तक भिगो देते हैं। फिर ढांचे के आकार में काट कर चमड़े को ढांचे में फैला देते हैं। इसे पतली डोरियों से कसकर विशेष तरीके से कस देते हैं। नगाड़ा हमेशा जोड़े में होता है। आकार में बड़े लगभग 12-18 इंच व्यास को गद्द कहते हैं। इसके लिए भैंस की खाल का और आकार में छोटे नगाड़े लगभग 8-12 इंच व्यास, ठीन के लिए बकरी की खाल का उपयोग करते हैं। बजाने के लिए लकड़ी की छड़ी का उपयोग करते हैं, इसे बठेना कहा जाता है। छेरछेरा या अन्य लकड़ी को 12-18 इंच काटकर लंबी आकृति दे देते हैं। वादन के दौरान वादक प्रायः पानी से भीगे कपड़े बड़े नगाड़े की सतह पर फेरते हैं, इससे इसकी ध्वनि उच्च नहीं होती है। छोटे नगाड़े को आग से आंच दिया जाता है, जिससे टंकार उत्पन्न हो। बजाते-बजाते चमड़ा अगर ढीला पड़ जाए, तो उसमें लगे रस्सियों को कसा जाता है।

शिवरीनारायण माहात्म्य को फागुन मास से विस्तार मिला

प्रो. अश्विनी केशरवानी

महात्मा चाहते थे कि श्री शिवरीनारायण का संस्कृत माहात्म्य भाषा में विख्यात हो। इस माहात्म्य को श्रीयुत पंडित हीराराम त्रिपाठी शिवरीनारायण निवासी ने संवत् 1944 विक्रमी में संस्कृत भाषा में पूर्ण हुआ। इस माहात्म्य में सम्पूर्ण शिवरीनारायण को जाना और समझा जा सकता है। इस पांडुलिपि की प्रसिद्धि के कारण सारे प्रति तुरंत बंट गए। इस शिवरीनारायण माहात्म्य की एक ही प्रति बची थी, जब संवत् 1932 में फागुन मास में महाराजा करोन तीर्थाटन करते हुए इस पुण्य क्षेत्र में पहुंचे तो इस रमणीय स्थल को देख कर प्रसन्न हुए। जाते समय यह महाराज जी उस एक प्रति को ले गए और 500 प्रति मुद्रित करा कर 100 प्रति शिवरीनारायण भेजे। यह प्रति उन्होंने 1934 में मुद्रित कराया। खास बात यह है कि इस माहात्म्य में ऐसे श्लोक है जो इस क्षेत्र के इतिहास को प्रमाणित रूप से पुष्टि करते हैं।

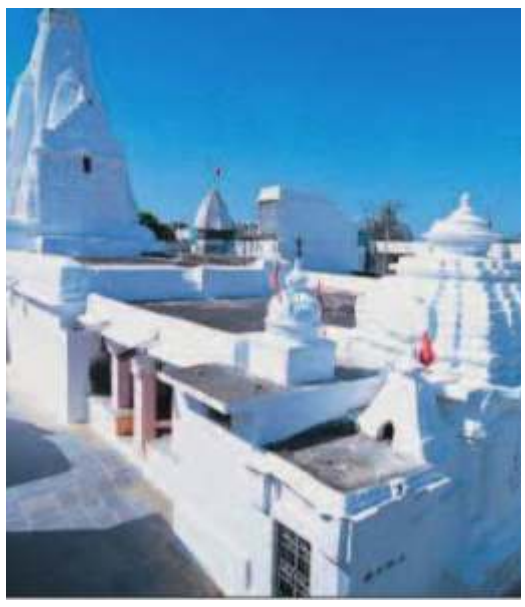

कभु नी जरय चारामा के चूचरुंगपुर में होली

दिनेश वर्मा

जिला कांकेर वि. ख. चारामा के ग्राम चुचरुंगपुर में जिजुन्ना परंपरा ला मानत इहू बच्छार होली नई जरय। जुन्ना सियान मन रानी मां के आस्था अउ विश्वास ला मानत कोनो बच्छर लकड़ी के होली नई जराय। गांव के देवकोठार में रानी माँ के प्रस्तर प्रतीक अउ घोड़ा के प्रतिमा में पूजा-पाठ करके होली तिहार मनाथे। कतका सुग्घर परंपरा हावय जेमा लकड़ी के होली नई जलाय। ऐमा पर्यावरण संरक्षण के भाव जुड़े हे आइसे लागथे। रानी माँ ला ये तीर-तखार के बारा गांव मानथे। बच्छर के अगहन मास शुक्ल पक्ष के तृतीया के इहा रानी मां के मेला लगथे। ये मेला में देवता मन के ठीहा मंडई अउ रानी मां के घोडा ला सजा के जम्मों मनखे मन के बाहिर ले मेला ठीहा के अढई परिक्रमा करथें। मड़ई में आय जम्मों मनखे मन परिक्रमा भीतर मा रहिथय। एखर आस्था हावय की परिक्रमा में जम्मों देवधारी अउ देवकैना बाहिर ले मनखे मन के रक्षा करथे। ढाई परिक्रमा के आशय हाबे जग में ढाई योनि होथे। ओएक मनखे जात , दूसर माइलोगिन अउ तीसर हावय मनखे अउ माइलोगिन दोनों के आधा अंश होथे किन्नर मन ऐखर सेती अढ़ई योनि माने गेहे। अइसन परम्परा ला मानत इंहा लकड़ी के होरी नइ पर जरावय।

कमल फूल की आड़ में अफीम फूल

सुशासन की अफ़ीम...

कोई सोच भी नहीं सकता जिसे धान का कटोरा कहा जाता है वहां के खेत में कभी अफगानिस्तान-पाकिस्तान की तरह अफीम की फसल लहलहायेगी। यह नामुमकिन कार्य कमल छाप पार्टी के नेता ने कर दिखाया है। उसके सैकड़ों एकड़ खेत में तक़रीबन 8 करोड़ रूपये कीमत के 14.30 लाख अफीम के पौधे लहलहाते मिले हैं। बताते हैं सालों से अफीम उगाया जा रहा था। हालांकि संलिप्तता सामने आने के बाद भाजपा संगठन ने किसान मोर्चा नेता विनायक ताम्रकार को निलंबित कर दिया है। लेकिन अब एक सवाल विपक्ष उठाने लगा है कि क्या भाजपा नेता के घर और खेत में भी अब सरकार बुलडोजर चलाएगी ? वहीँ भोजपुरी गाने 'कमरिया करे लपालप लॉलीपॉप लागेलू' पर जबरदस्त डांस करने वाले दुर्ग जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह और एएसपी सुखनंदन राठौर और मणिशंकर चंद्रा तक को इसकी भनक नहीं लगी!

अफीम उगाने के आरोपी नेता विनायक समेत तीन गिरफ्तार

दो आरोपी फरार, 10 एकड़ में लगा रखे थे 8 करोड़ की अफीम

सालों से हो रही थी अफीम की अवैध खेती का अभी हुआ खुलासा

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

शहर सत्ता/रायपुर। दुर्ग जिले के समोदा गांव में अफीम की खेत की जांच शनिवार को पूरी हो गई है। खेती करने वाले भाजपा नेता विनायक ताम्रकर समेत 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विनायक ताम्रकार ने शिवनाथ नदी के किनारे 110 एकड़ का फार्म हाउस बनाया था, जिसे फेंसिंग से घेर रखा था। करीब 11 एकड़ में मक्का-गेहूं की फसल के बीच अफीम का खेती कर रहा था। पुलिस ने खेत से 14.30 लाख अफीम के पौधे जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक जब्त पौधों की कीमत करीब 7.88 करोड़ है। इस बीच, संलिप्तता सामने आने के बाद भाजपा संगठन ने विनायक ताम्रकार को निलंबित कर दिया है।

- **खेत की निगरानी में लगा रखे थे बाउंसर और सीसीटीवी कैमरे**
- **बड़ा सवाल, क्या भाजपा नेता के खेत-घर पर भी चलेगा बुलडोजर?**

भाजपा नेता ही पूरे फार्म हाउस का रखरखाव करता था। राजस्थान से आए मजदूरों के रहने के लिए मकान और बाकी सुविधाएं भी वही उपलब्ध कराता था। फार्म हाउस की सुरक्षा के लिए बाउंसर भी रखे हुए थे। गेट लगे होने के कारण फार्म हाउस में सिर्फ बीजेपी नेता ही जा पाता था। गांव वालों को भी फार्म हाउस के आसपास भटकने नहीं दिया जाता था। और तो और फसल की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे तक लगा रखे थे।

कांग्रेस का साय सुशासन से सवाल

- **अफीम की इस खेती में कौन-कौन मंत्री/अधिकारी शामिल हैं?**
- **नव्या मलिक का नाम सरकार की लिस्ट से किसने बाहर किया?**
- **नव्या मलिक कितने बार विदेश गई और किसके साथ विदेश गई?**
- **विनायक ताम्रकार मुख्यमंत्री निवास में कब-कब आया है?**
- **विनायक ताम्रकार के किन-किन नेताओं और अधिकारियों से संबंध हैं?**

अफीम की खेती में फूल भी आये और सूखने के बाद उसके फल में चीरा भी लगाया गया था

भूपेश का तंज- कमल के फूल वाली पार्टी के नेता अफीम के फूल उगा रहे

इस बीच, सियासत गर्माने लगी है। शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी समोदा गांव में अफीम के खेत पहुंचे। उन्होंने कहा- पुलिस और प्रशासन के नाक के नीचे अफीम की खेती हो रही है। उन्होंने कहा कि गांव वालों ने बताया कि विनायक ताम्रकार का 100 एकड़ का फार्म हाउस है। करीब 150 एकड़ में अवैध कब्जा भी है। सरकार बताए कि इस अवैध खेती में कौन-कौन मंत्री विधायक शामिल थे।

बजट सत्र में उठेगा मुद्दा, गर्माएगा सदन

सरकार बताए कि इस अवैध खेती में कौन-कौन मंत्री विधायक शामिल थे। इस मामले को विधानसभा में उठाऊंगा। भूपेश ने खेत की ओर इशारा करते हुए कहा- इन तस्वीरों को ध्यान से देखिए... अब जब कड़ियां जुड़ रही हैं तो समझ आ रहा है कि खेल बड़ा है। कमल के फूल वाली पार्टी के नेता अपने 10 एकड़ खेत में अब अफीम के पौधे और फूल उगा रहे हैं।

क्या भाजपा नेता के खेत-घर पर भी चलेगा बुलडोजर?

अफ़ीम खेती मामले में पार्टी और सरकार की साख पर सवालिया निशान लग गया है। भाजपा और सरकार की ओर से कई बार यह कहा गया है कि जो भी नशे का कारोबार करेगा उसकी अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया जाएगा। छत्तीसगढ़ में इससे पहले नशे और अवैध कारोबार से जुड़े कई अपराधियों की संपत्तियों को कुर्क करने और उनके आर्थिक साम्राज्य पर कार्रवाई की मिसाल सामने आ चुकी है। ऐसे में अब चर्चा इस बात की हो रही है कि क्या अफ़ीम की खेती के आरोपी भाजपा पदाधिकारी विनायक ताम्रकार के खेत और घर पर भी वही कार्रवाई होगी।

सियासी जिरह शुरू

पार्टी में चर्चा, "विनायक ताम्रकार ने पार्टी और सरकार दोनों की छवि को नुकसान पहुंचाया है। भाजपा एक बड़ी पार्टी है और ऐसे मामलों में सख्त संदेश देना जरूरी है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई ऐसी हिम्मत न कर सके।"इधर विपक्ष ने भी इस मुद्दे को लेकर सरकार और भाजपा को घेरना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि सरकार नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करती है, लेकिन जब मामला अपने ही दल के नेता का होता है तो कार्रवाई सिर्फ निलंबन तक सीमित रह जाती है।

दो फरार, राजस्थान तक तलाश

विनायक, उसके सहयोगी विकास विश्नोई और फार्म हाउस के मुंशी मनीष ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में दो लोगों को और आरोपी बनाया गया है। दोनों फरार हैं, उनकी तलाश में टीम राजस्थान गई हुई है।

राजनीतिक विद्वेष, जमीन मेरी नहीं: ताम्रकर

चोरी छिपे अफीम उगाने को लेकर विनायक का कहना है कि उन्हें अफीम की खेती की कोई जानकारी नहीं थी और जमीन अधिया पर दी गई थी। जिस जमीन में अफीम की खेती की जा रही थी, वो मेरी नहीं है। उसने कार्रवाई को द्वेषपूर्ण बताया है।

कलेक्टर बोले डिजिटल सर्वे में मक्का-गेहूं थे

होली में भोजपुरी गाने 'कमरिया करे लपालप लॉलीपॉप लागेलू' पर जबरदस्त डांस करने वाले दुर्ग जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बताया कि अफीम की खेती विनायक अपनी निजी भूमि पर कर रहा था। अगस्त में डिजिटल सर्वे के दौरान पता चला था कि फार्म हाउस के कुछ हिस्से में उसने मक्का और गेंहू की फसल लगाई थी। इन्हीं फसलों के बीच में अफीम के पौधे लगाए गए थे।

आरोप जिला और पुलिस का था नेता को प्रश्रय

शनिवार को कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए थे। फार्म हाउस में घुसने का प्रयास करने के दौरान ग्रामीण और पुलिस के बीच धक्कामुक्की भी हो गई थी। खासी मशक्कत के बाद एएसपी सुखनंदन राठौर और मणिशंकर चंद्रा के हस्तक्षेप के बाद विवाद शांत हुआ। ग्रामीणों और कांग्रेस का आरोप है कि पुलिस और जिला प्रशासन का प्रश्रय भाजपा किसान मोर्चा नेता विनायक ताम्रकार को प्राप्त था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.),
मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27